हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com E-paper-hindidailyweb.in WhatsApp No- 9666641609

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 244 Saturday, 21 June 2025 शनिवार, 21 जून 2025 HYDERABAD 8 PAGES RS.3. 00

ब्लैकबॉक्स विदेश भेजे जाने पर सरकार का यू टर्न

- कहा-अभी कोई फैसला नहीं, जांच जारी है, अमेरिका भेजे जाने की खबरें चली थीं

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद में 12 जून को क्रैश हुए एअर इंडिया विमान का ब्लैक बॉक्स जांच के लिए अभी विदेश नहीं भेजा गया है। केंद्र सरकार ने इसको लेकर बयान जारी किया है। केंद्र ने गुरुवार को कहा कि प्लेन के ब्लैक बॉक्स को कहां भेजा जाएगा, इसका फैसला एयर क्रैश इन्वेस्टीगेशन (एएआईबी) करेगा। यह फैसला सभी तकनीकी, सुरक्षा और गोपनीय पहलुओं को

ध्यान में रखकर लिया जाएगा। फिलहाल एएआईबी की जांच जारी है। इसके अलावा गृह सचिव के नेतृत्व में हाई लेवल कमेटी भी हादसे की जांच कर रही है, जो तीन महीने में रिपोर्ट देगी। केंद्र ने बताया कि प्लेन से दो ब्लैक बॉक्स सेट मिले हैं। पहला सेट 13 जून को और दूसरा 16 जून को बरामद किया गया। यह मॉडल दो ब्लैक बॉक्स सेट के साथ आता है। दरअसल, अहमदाबाद में 12 जून को लंदन जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-171 उड़ान भरने के तुरंत बाद क्रैश हो गई थी। इसमें सवार 241 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि एक यात्री की जान बच गई थी।

शुभांशु को अंतरिक्ष ले जाने वाला मिशन पांचवीं बार टला

- आईएसएस पर सुरक्षा जांच के चलते पोस्टपोन हुआ, नई तारीख का ऐलान नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन यानी आईएसएस ले जाने वाला एक्सियम-4 मिशन पांचवी बार टाल दिया गया है। इसे 22 जून को लॉन्च किया जाना था, लेकिन आईएसएस की सुरक्षा जांच के चलते इसे स्थगित कर दिया गया। इससे पहले इस मिशन को 11 जून को भारतीय

समय अनुसार शाम 5.30 बजे लॉन्च किया जाना था। हालांकि, प्रोपल्शन बे में ऑक्सीजन लीक के कारण इसे टाल दिया गया था। एक्सियम मिशन 4 (एएक्स-4) में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। शुभांशु आईएसएस पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। नासा ने बताया कि सर्विस मॉड्यूल के पिछले हिस्से में हाल ही में हुए मरम्मत कार्य की समीक्षा और सुरक्षा जांच के लिए और समय चाहिए। स्पेस स्टेशन की कई प्रणालियां आपस में जुड़ी हुई हैं।

गुजरात-महाराष्ट्र में भारी बारिश

घरों-दुकानों में भरा पानी

एमपी के श्योपुर में उफान पर नदी, 20 गांवों का संपर्क कटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून ने बीते दो दिन में राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश में एंट्री ले ली है। भारी बारिश के चलते गुजरात के अहमदाबाद, वापी और राजकोट में सड़क, घरों और दुकानों में पानी भर गया। सावरकुंडला, राजुला में स्थानीय नदियां उफान पर आ गई हैं। गुजरात के अमरेली में भारी बारिश से नदियों का पानी खेतों में जा घुसा। इससे फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं। मध्यप्रदेश में शिवपुरी के कुंअरपुर गांव के पास उफनती पुलिया पार कर रहा ट्रैक्टर बह गया। धार जिले के मांडू की खुद नदी में एक युवक की डूबने से मौत हो गई। श्योपुर में खिरखिरी नदी उफान पर आ गई, जिससे करीब 20 गांवों का संपर्क टूट गया। उत्तर प्रदेश के लखनऊ-सीतापुर में पूरी रात रुक-रुक कर बारिश हुई। अमेठी में इतनी बारिश हुई कि डीएम ऑफिस और गौरीगंज कोतवाली में पानी भर गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने डीएम ऑफिस से पानी निकाला। वहीं, बिजली गिरने से 24 घंटे में 10 लोगों की मौत हो गई। मानसून की एंट्री के बाद भी राजस्थान के कुछ इलाकों में गर्मी बनी हुई है। जैसलमेर में 44.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। जयपुर, कोटा, भीलवाड़ा, दौसा, बूंदी सहित कई जिलों में शुक्रवार सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। राजधानी जयपुर में दोपहर करीब डेढ़ बजे अचानक अंधेरा छा गया और तेज बरसात शुरू हो गई। कोटा में बैराज का भी एक गेट खोला गया। बिहार के गयाजी में बारिश के बाद फल्गु नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। इससे 20 लोग फंस गए। स्थानीय ग्रामीणों ने 18 लोगों का रेस्क्यू किया। 2 की मौत हो गई। छत्तीसगढ़ में भारी बारिश से सरगुजा के मैनी नदी में अचानक आई बाढ़ में मां-बेटे समेत चार लोग बह गए। एसडीआरएफ और पुलिस की टीम चारों की तलाश में जुटी है।

एससीओ की मीटिंग में हिस्सा लेने चीन जाएंगे राजनाथ सिंह

- 7 साल बाद किसी भारतीय मंत्री का दौरा, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री भी पहुंचेंगे

नई दिल्ली/बीजिंग (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 25 से 27 जून तक चीन के किंगदाओ शहर में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन की रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ भी शामिल होंगे। यह किसी भी भारतीय मंत्री का 7 साल बाद चीन का दौरा होगा। इससे पहले अप्रैल 2018 में उस समय की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज गई थीं। यह दौरा ऐसे वक्त में हो रहा है जब भारत और चीन के बीच रिश्ते सामान्य करने की कोशिशें चल रही हैं। व्यापार, यात्रा और संवाद फिर से शुरू हो चुके हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा चालू है और डेपसांग और डेमचोक में गश्त की जानकारी भी सामने आई है। राजनाथ सिंह की मुलाकात चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जून से द्विपक्षीय वार्ता के तौर पर भी होगी। इस दौरान दोनों देशों के बीच वीजा नीति, कैलाश यात्रा, जल आंकड़ों का साझा करना और हवाई संपर्क बहाल करने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हो सकती है। दोनों नेताओं की पिछली मुलाकात लाओस में शिखर सम्मेलन में हुई थी, जो सीमा विवाद के बाद पहली सीधी बातचीत थी।

भारत के पास जल्द होगी हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल

- डीआरडीओ प्रमुख का दावा, बोले- अभी चल रहा परीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों ईरान और इजरायल के बीच युद्ध जारी है जिसमें खास तौर पर हाइपरसोनिक मिसाइलों का उपयोग हो रहा है। वहीं, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हथियार प्रणाली सफल रही, अब भारत भी चाहता है कि उसके पास हाइपर सोनिक मिसाइलों का जखीरा हो ताकि दुश्मन भारत की ओर देखने से पहले सौ बार सोचे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाई और दुश्मन के हवाई क्षेत्र, ड्रोन और वायु रक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचाया डीआरडीओ के प्रमुख ने बताया कि भारत के पास भी जल्द हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल होंगी। अभी काम परीक्षण चरण में है।

- लालटेन-पंजे वाले कहते हैं परिवार का साथ, परिवार का विकास

सीवान में पीएम बोले- आरजेडी बाबा साहेब को अपने पैरों में रखती है, मैं दिल में रखता हूं

सीवान (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सीवान के जसौली में सभा को संबोधित किया। 35 मिनट के भाषण में पीएम ने आरजेडी और कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि पंजे और लालटेन के शिकंजे ने बिहार को पलायन का प्रतीक बना दिया था। आपने मिलकर बिहार में जंगलराज का सफाया किया है। नौजवानों ने बिहार की बदहाली के सिर्फ किस्से और कहानी सुनी हैं। उन्हें अंदाजा नहीं है जंगलराज वालों ने बिहार की क्या हालत बना दी थी। पीएम ने कहा कि आरजेडी बाबा साहेब को अपने पैरों में रखती है। मोदी उन्हें अपने दिल में रखता है।

गरीब हटाओ के नारे देकर चले गए, हमने हटाई गरीबी

पंजे और लालटेन ने मिलकर बिहार के स्वाभिमान को बहुत ठेस पहुंचाई है। इन लोगों ने ऐसी लूट मचाई कि गरीबी बिहार का दुर्भाग्य बन गई। इन लोगों ने सिर्फ नारा दिया गरीबी हटाओ, हमने गरीबी हटाकर दिखाई। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए नीतिश जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार को विकास की पटरी पर वापस लाई है। पीएम बोले- मैं जब आप लोगों के बीच से आ रहा था, बारिश हुई, सुबह भी थोड़ी बारिश हुई, इसके बावजूद भी इतनी बड़ी मात्रा में आपका आना हमें आशीर्वाद देना, मैं आपका हृदय से आभारी हूं।

सीवान को पिछड़ा कहा, अब अफ्रीका जा रहा इंजन

आज पहला इंजन अफ्रीका को एक्सपोर्ट किया जा रहा है। अफ्रीका में भी बिहार की जय-जयकार होने वाली है। मढ़ौरा में इसकी फैक्ट्री है। ये फैक्ट्री उसी जिले में बनी है जिसे आरजेडी और कांग्रेस वालों ने पिछड़ा कहकर अपने हाल पर छोड़ दिया था। जंगलराज वालों ने बिहार का विकास इंजन ठप कर दिया। अब बिहार में बना इंजन अफ्रीका की रेल चलाएगा। आरजेडी-कांग्रेस के कारनामे बिहार विरोधी हैं। निवेश विरोधी हैं। अपने मुंह से ये लोग विकास की बात करते हैं तो लोगों को दुकान, मकान सब जगह ताले लटकते दिखाई देते हैं। ये लोग बिहार में माफिया राज, गुंडा, राज और भ्रष्टाचार के पोषक रहे हैं।

छत से टपक रहा पानी, क्लास रूम में छाता लेकर पढ़ रहे बच्चे

बंगाल का स्कूल बयां कर रहा टीएमसी सरकार की हकीकत

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के एक प्राइमरी स्कूल के एक वीडियो से टीएमसी सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। वीडियो में 68 बच्चे छाता से नीचे छिपक, पढ़ाई कर रहे हैं, क्योंकि क्लासरूम की छत से पानी टपक रहा है। स्कूल के हेड मास्टर जयंत गुप्ता ने बताया कि बारिश में भीगने से बचने के लिए छाता स्कूल की इमारत जर्जर हालत में है, लेकर क्लास में बैठना पड़ रहा है। इस जिससे छात्रों की जान को खतरा है। स्कूल में लगभग 68 बच्चे पढ़ते हैं, अधिकारियों से शिकायत के बावजूद जिनकी उम्र 5 से 10 साल के बीच है। कोई कार्रवाई नहीं हुई है। स्कूल की यह स्कूल 1972 में बना था।

राजा-सोनम केस में अब मिस्ट्री गर्ल अलका की एंट्री

- हत्याकांड में आया नया मोड़, 'बेस्ट फ्रेंड' का होगा पर्दाफाश

इंदौर (एजेंसी)। मेघालय में हुई राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में एक नया मोड़ आया है। इस सनसनीखेज मामले में एक मिस्ट्री गर्ल की एंट्री हुई है, जिसका नाम 'अलका' बताया जा रहा है। अलका को मुख्य आरोपी सोनम की करीबी दोस्त बताया जा रहा है। राजा रघुवंशी के परिवार वालों ने भी अलका की भूमिका पर सवाल उठाए हैं और आशंका जताई है कि यह लड़की भी हत्याकांड की साजिश में शामिल हो सकती है। राजा के बड़े भाई विपिन रघुवंशी ने अलका को सोनम की सच्ची सहेली बताया है। राजा के भाई ने मांग की है कि पुलिस को उसकी अच्छे से जांच करनी चाहिए और सोनम का नार्को टेस्ट कराने की भी मांग की है, जिससे हत्या से जुड़ी सारी जानकारी सामने आ सके। विपिन ने कहा, सोनम के साथ अलका का भी व्यवहार संदिग्ध है।

मणिपुर में फिर से भड़की हिंसा, एक किसान घायल

- चुराचांदपुर में गोलीबारी के बीच कुकी महिला की मौत, इलाके में तनाव जारी

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों और अज्ञात हमलावरों के बीच हुए एनकाउंटर में एक बुजुर्ग कुकी महिला की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि महिला क्रॉस फायर की चपेट में आ गई। घटना उस समय हुई जब सुरक्षा बलों ने एक सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। यह ऑपरेशन उस वक्त शुरू किया गया, जब बिष्णुपुर जिले में खेतों में काम कर रहे एक किसान को गोली लगी। बताया गया कि गोली आसपास की पहाड़ियों से चलाई गई थीं। दरअसल, मैतई नेता अशेम कनन सिंह की 7 जून को गिरफ्तारी के बाद राज्य में हिंसा भड़क गई थी। इंफाल के कई इलाकों में गाड़ियां जला दी गईं, सड़कों पर टायर और पुराने फर्नीचर भी जलाए थे।

ईरान परमाणु बम बनाने के करीब, सिर्फ खामेनेई के आदेश का इंतजार

- अमेरिका का बड़ा दावा, बोला- परमाणु हथियार बनाने की हर चीज है मौजूद
- इजराइल में माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के पास गिरी ईरान की मिसाइल, 6 घायल

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान ने इजराइल के बीर्शेबा शहर पर शुक्रवार सुबह बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के नजदीक गिरी। इससे कई कारों में आग लग गई। आस-पास के घरों को भी नुकसान पहुंचा। इसमें 6 लोग घायल हो गए हैं। यह लगातार दूसरा दिन है, जब बीर्शेबा शहर पर मिसाइल हमला हुआ है। इससे पहले गुरुवार को भी ईरान ने बीर्शेबा के एक अस्पताल पर मिसाइल दागी थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक

अमेरिका का मानना है कि ईरान अब परमाणु हथियार बनाने की पूरी क्षमता रखता है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को कहा कि अगर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई आदेश दे दें, तो ईरान कुछ ही हफ्तों में परमाणु बम बना सकता है। लेविट ने कहा कि ईरान के पास परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी हर चीज मौजूद है। अब बस उन्हें अपने नेता के हां कहने भर की देर है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान ऐसा करता है, तो इससे सिर्फ इजराइल नहीं, बल्कि अमेरिका और पूरी दुनिया की सुरक्षा को खतरा होगा।

ईरान परमाणु हथियार की जिद छोड़े, तभी बातचीत करेंगे

जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल ने कहा कि अगर ईरान अपने परमाणु और मिसाइल प्रोग्राम पर आश्वासन देने के लिए तैयार है, तो यूरोपीय देश ईरान के साथ आगे की चर्चा के लिए तैयार है। जेनेवा में ईरानी विदेश मंत्री के साथ परमाणु मुद्दे पर बैठक से पहले वेडफुल ने कहा, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस और यूरोपीय संघ ने हमेशा कहा है कि हम बातचीत के लिए तैयार हैं। लेकिन इसके लिए ईरान को परमाणु हथियार से समृद्ध देश होने की अपनी इच्छा त्यागनी होगी। वहीं, जेनेवा में बातचीत की तैयारियों के बावजूद, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने कहा कि ईरान किसी भी पक्ष के साथ बातचीत तभी करेगा, जब तक कि इजराइल अपना हमला बंद नहीं कर देता।

संपादकीय

भारत का साफ संदेश...

कश्मीर मसले समेत पाकिस्तान से जुड़े अन्य मुद्दों पर भारत का रुख हमेशा से द्विपक्षीय बातचीत पर केंद्रित रहा है। किसी तीसरे पक्ष की भूमिका को भारत ने कभी स्वीकार नहीं किया। संयुक्त राष्ट्र और कुछ अन्य देशों की ओर से कश्मीर मसले पर मध्यस्थता की पेशकश की जाती रही है, लेकिन भारत ने उन्हें सिरे से खारिज कर दिया। पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद 'आपरेशन सिंदूर' से सहमे पाकिस्तान ने भारत पर हमले का नाकाम प्रयास किया था। मगर, इससे पहले कि कार्रवाई तेज होती, दोनों देशों की सहमति से संघर्ष विराम की घोषणा कर दी गई।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई मौकों पर यह दावा किया कि अमेरिका की मध्यस्थता की बदौलत ही भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम हो पाया है। भारत ने इस दावे को तत्काल खारिज कर दिया था। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप से फोन पर बातचीत में भी स्पष्ट कर दिया कि पाकिस्तान के आग्रह पर ही भारत ने संघर्ष विराम पर सहमति जताई थी। इसमें अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है।

दरअसल, भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम की सबसे पहले घोषणा डोनाल्ड ट्रंप ने दस मई को सोशल मीडिया के जरिए की थी। उन्होंने यह दावा भी किया था कि संघर्ष रोकने पर सहमत न होने पर उन्होंने दोनों देशों के साथ व्यापार रोकने की चेतावनी दी थी। इसके बाद ट्रंप ने कई बार इस दावे को दोहराया कि अमेरिका ने ही दोनों देशों को संघर्ष विराम के लिए राजी किया। हालांकि, ट्रंप के दावे से पैदा हुई भ्रम की स्थिति को दूर करने के लिए सरकार ने कई दफा स्पष्ट किया कि इसमें अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है।

अभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कनाडा में जी-7 देशों के सम्मेलन में भाग लेने गए थे, जहां डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद थे। मगर, इस दौरान दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच सम्मेलन से इतर बातचीत नहीं हो पाई। प्रधानमंत्री ने बीते मंगलवार को ट्रंप से फोन पर बातचीत की। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के मुताबिक, इस दौरान भारत-पाकिस्तान के बीच पिछले दिनों हुए संघर्ष पर भी बात हुई और प्रधानमंत्री ने दो टूक कहा कि भारत और पाकिस्तान ने बिना किसी मध्यस्थता के अपने शीर्ष सैन्य अधिकारियों के बीच सीधी बातचीत के बाद सैन्य कार्रवाई रोकी थी।

मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि भारत ने किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है और न कभी स्वीकार करेगा। यह भी साफ किया चुका है कि अब आतंकवाद को छद्म युद्ध के रूप में नहीं, बल्कि एक युद्ध के ही रूप में देखा जाएगा। इसमें दोराय नहीं है कि आपरेशन सिंदूर के तहत कार्रवाई नपी-तुली, सटीक तथा तनाव को और बढ़ावा नहीं देने वाली थी। भारत का यह रुख निस्संदेह पाकिस्तान के लिए भी एक कड़ा संदेश है कि अगर वह द्विपक्षीय मसलों में किसी तीसरे पक्ष को बीच में लाने का प्रयास करेगा, तो उसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सिस्टम की सुस्ती और सरकारी संवेदनहीनता से दिल्ली का घुट रहा दम

यह लापरवाही नहीं तो और क्या है कि देश के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल दिल्ली ने राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम के तहत मिली राशि का एक तिहाई से भी कम खर्च किया है। ऐसे में यहां स्वच्छ वायु की उम्मीद कैसे की जा सकती है। अगर यहां के बाशिंदों को साफ हवा नहीं मिलती है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? प्रदूषण और तापमान का जनजीवन पर संयुक्त प्रभाव वास्तव में चिंता का विषय है। एक नए अध्ययन में कहा गया है कि गर्मी और प्रदूषण का एक साथ होना सुरक्षित प्राकृतिक हवा के अवसरों को सीमित कर देता है। सीईपीटी विश्वविद्यालय और जलवायु प्रौद्योगिकी कंपनी की इस अध्ययन रपट को हमें गंभीरता लेना होगा। इसमें कहा गया है कि दिल्ली में हर वर्ष लगभग 2,210 घंटे ऐसे होते हैं, जब तापमान 18 से 31 डिग्री के बीच रहता है। इस दौरान 1,951 घंटे ऐसे होते हैं, जब वायु गुणवत्ता खराब होती है। यानी 259 घंटे ही लोगों को साफ हवा मिल पाती है। इसमें कोई दोराय नहीं कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का नागरिकों की सेहत पर सीधा प्रभाव पड़ रहा है। एक तरफ उन्हें अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना है, तो दूसरी ओर असहज तापमान के जोखिम से भी बचना है। कुछ शहरों की स्थिति दिल्ली से बेहतर जरूर हो सकती है, लेकिन भविष्य में वहां भी यही समस्या गहराने वाली है। लिहाजा, इन परिस्थितियों में जीने की आदत डालने के बजाय इस चुनौती का सामना करने के लिए कुछ नए उपाय करने होंगे। ऐसे सुझाव भी दिए जा रहे हैं कि घर इस तरह से बनाए जाएं, जहां ऊर्जा की बचत के साथ हवा का बेहतर प्रवाह हो। सेहत और सुकून के लिए अब जरूरी है कि शहरों और महानगरों में मौसम के अनुकूल नए भवन बनें और पुराने घरों में पर्यावरण नियंत्रण प्रणाली की व्यवस्था हो। इससे स्वच्छ हवा अधिक मिल सकेगी। इस दिशा में गंभीरता सोचने का वक्त आ गया है।

आज का कार्टून

दुनिया में कोई फ्री में नहीं खिलाता...

बहरहाल, पाकिस्तान को अपने पहले कार्यकाल में धोखेबाज़ और आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह कहने वाले ट्रंप का आतंकी देश के प्रति अचानक यू-टर्न पूरी दुनिया को चौंका रहा है। लेकिन सब यह भी समझ रहे हैं कि अमेरिका इस समय पाकिस्तान का उपयोग करना चाह रहा है। अमेरिका में तो ट्रंप के इन पैंतरों का विश्लेषण भी शुरू हो गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषक डेरेक ग्रॉसमैन ने कहा, यह काफी हैरानी वाली बात है कि ट्रंप ने मोदी को चुपचाप व्हाइट हाउस आमंत्रित करने की कोशिश की जब असीम मुनीर भी वहां लंच के लिए मौजूद थे। उन्होंने कहा कि ट्रंप को भारत-पाकिस्तान तनावों की पृष्ठभूमि और इतिहास की कोई समझ नहीं है, वह बस एक फोटो खिंचवाना चाहते हैं ताकि बाद में नोबेल पुरस्कार मिल सके।

नीरज कुमार दुबे

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल असीम मुनीर के साथ दोपहर का भोज करके पूरी दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि पाकिस्तान में सरकार नहीं बल्कि सेना ही असली ताकत रखती है। ट्रंप ने जिस तरह से असीम मुनीर को खाना खिलाते समय कहा कि मुझे पाकिस्तान से प्यार है उससे यह भी संकेत मिले कि अमेरिकी राष्ट्रपति के मन में कुछ बड़ा चल रहा है। हम आपको बता दें कि ईरान पर हमला करने की तैयारी कर चुका अमेरिका चाहता है कि पाकिस्तान उसकी मदद करे। हम आपको याद दिला दें कि अफगानिस्तान में तालिबान शासन को उखाड़ने के लिए भी अमेरिका ने पाकिस्तान को अपना बेस बनाया था। चूंकि ईरान की सीमाएं भी पाकिस्तान के साथ लगती हैं इसलिए अमेरिका चाहता है कि पाकिस्तान एक बार फिर उसे अपना बेस वहां बनाने दे ताकि उसके लड़ाकू विमान वहीं से उड़ान भर सकें। अमेरिका जानता है कि पाकिस्तान में इस बात की इजाजत वहां की सरकार नहीं बल्कि सेना ही दे सकती है इसलिए मुनीर को लंच पर बुलाया गया।

इसके अलावा इजराइल भी चाहता है कि ईरान को किसी भी मुस्लिम देश की मदद नहीं मिले, इसके लिए उसने अमेरिका से पाकिस्तान को समझाने के लिए कहा था। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान और इजराइल के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं और हाल ही में पाकिस्तान ने ईरान पर हुए इजराइली हमलों की निंदा की है इसलिए ट्रंप यह सुनिश्चित कर रहे थे कि पाकिस्तान ईरान की मदद के लिए आगे नहीं आये। इसके अलावा ट्रंप का एक और गेम प्लान यह था कि वह मुनीर को लंच कराने के दौरान उनकी भेंट भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करवा दी जाये लेकिन मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति की यह चाल समझ गये थे इसलिए उन्होंने कनाडा से लौटते वक्त अमेरिका में कुछ समय रुकने का उनका आग्रह ठुकरा दिया था। मोदी समझ गये थे कि यदि ट्रंप ने अचानक उनकी और मुनीर की भेंट करवा कर दुनिया के सामने फिर से यह दावा कर दिया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सुलह करवा दी है तो उनके लिए घरेलू राजनीतिक मोर्चे पर नई मुश्किल खड़ी हो जायेगी।

जहां तक ट्रंप और मुनीर के लंच की बात है तो बताया जा रहा है कि पहला निवाला मुंह में डालते ही मुनीर के होश उड़ गये क्योंकि वह कट्टरपंथी स्वभाव के हैं इसलिए उन्हें यह बात रास नहीं आई कि वह ईरान का साथ देने की बजाय इजराइल को अपना मिशन पूरा करते हुए देखें। मुनीर को ट्रंप की रोटी खाते ही यह बात समझ आ गयी कि दुनिया में कोई भी फ्री में कुछ नहीं खिलाता। वैसे भी ट्रंप राजनीतिज्ञ कम, व्यापारी ज्यादा हैं और उन्हें पता है कि पाकिस्तान के किसी भी सेनाध्यक्ष को मुंहमांगी कीमत देकर आसानी से खरीदा जा सकता है। यही काम ट्रंप ने किया और मुनीर को अपने पाले में कर लिया। वैसे, अमेरिकी राजनीति के इतिहास में यह दुर्लभ ही नहीं बल्कि अभूतपूर्व घटना है कि कोई अमेरिकी राष्ट्रपति किसी विदेशी सैन्य प्रमुख को लंच पर बुलाए। हालांकि अयूब खान, जिया-उल-हक और परवेज़ मुशर्रफ जैसे पाकिस्तानी सैन्य नेताओं ने अतीत में अमेरिकी राष्ट्रपतियों से मुलाकात की थी, लेकिन उन्होंने यह मुलाकात तब की थी जब वे सैन्य तख्तापलट के बाद पाकिस्तान के नेता बन गए थे। हम आपको यह भी बता दें कि ज़िया-उल-हक और मुशर्रफ ने भी अमेरिका से अरबों डॉलर की सैन्य सहायता और अनुदान प्राप्त करने के लिए पाकिस्तान को एक किराए की सेना में बदल दिया था।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में भी कहा गया है कि ट्रंप की इस पहल को मुनीर को पाकिस्तान का वास्तविक नेता मानने के तौर पर देखा जा रहा है। साथ ही ऐसा प्रतीत होता है कि अमेरिका ईरान में अपने संभावित हमलों के लिए मुनीर का समर्थन प्राप्त करना चाहता है। इसके साथ ही अमेरिका और इजराइल यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान इस्लामी दुनिया में अलग-थलग रहे और उसे पाकिस्तान का समर्थन नहीं मिले। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक ट्रंप की अजीबो-गरीब नीतियों को देखते हुए, यह भी संभव है कि मुनीर को चेतावनी दी गई हो कि अगर इस्लामाबाद ने ईरान का समर्थन किया तो परिणाम भुगतने होंगे। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान की सरकार ने इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों की निंदा की है और उन्हें ईरान की संप्रभुता का खुला उल्लंघन और अनुचित तथा अवैध आक्रामकता बताया है।

एक रोचक तथ्य यह भी है कि वैसे तो मुनीर कट्टर इस्लामवादी माने जाते हैं, मगर उनके बारे में अमेरिका में रहने वाले इमरान खान की पीटीआई पार्टी के समर्थकों का आरोप है कि वह इज़राइल समर्थक हैं और अमेरिका-इज़राइल की ईरान के खिलाफ कार्रवाई का समर्थन कर रहे हैं ताकि पाकिस्तान एकमात्र इस्लामी परमाणु शक्ति बना रहे। हम आपको बता दें कि पीटीआई कार्यकर्ताओं ने ही सबसे पहले मुनीर की अमेरिका में गुप्त यात्रा का खुलासा किया था और आरोप लगाया था कि उन्होंने वॉशिंगटन डीसी में एक इज़राइल समर्थक लॉबी समूह एआईपीएसी की बैठक में भाग लिया। उन्होंने उनके अमेरिकी सहयोगी साजिद तारार को इज़राइल का कट्टर समर्थक और फिलिस्तीनी व ईरानी मुसलमानों का दुश्मन बताया था।

जहां तक ट्रंप और मुनीर के लंच के बाद आये अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने कहा है कि मुझे पाकिस्तान से प्यार है। साथ ही उन्होंने यह दावा किया है कि मुनीर ने भारत के साथ एक विनाशकारी युद्ध को टाल दिया। ट्रंप ने कहा, मुनीर इस युद्ध को पाकिस्तान की ओर से रोकने में बेहद प्रभावशाली था। यह भी कहा जा रहा है कि मुनीर को अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से लंच का निमंत्रण उस समय आया जब उन्होंने ट्रंप को भारत-पाक परमाणु युद्ध को रोकने के लिए नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किए जाने की सिफारिश की। यह भी बताया जा रहा है कि यह लंच मीटिंग पाकिस्तानी-अमेरिकी व्यवसायी साजिद तारार के प्रयासों से आयोजित हुई, जो ट्रंप के लंबे समय से समर्थक और अमेरिकन मुस्लिम्स फॉर ट्रंप समूह के संस्थापक हैं। तारार पिछले तीन रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन में वक्ता रहे हैं और उनकी एम ए जी ए विचारधारा से करीबी के कारण उनके बेटे को ट्रंप के पहले कार्यकाल में स्टेट डिपार्टमेंट में नियुक्ति मिली थी। रिपोर्टों के मुताबिक तारार ने फोर सीज़न्स होटल में मुनीर के लिए एक सामुदायिक स्वागत समारोह भी आयोजित किया, जिसमें सेना प्रमुख ने प्रवासी पाकिस्तानियों को पाकिस्तान के सच्चे राजदूत बताया और उनके रेमिटेंस, निवेश और उपलब्धियों के माध्यम से अर्थव्यवस्था और वैश्विक छवि में योगदान की सराहना की।

बहरहाल, पाकिस्तान को अपने पहले कार्यकाल में धोखेबाज़ और आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह कहने वाले ट्रंप का आतंकी देश के प्रति अचानक यू-टर्न पूरी दुनिया को चौंका रहा है। लेकिन सब यह भी समझ रहे हैं कि अमेरिका इस समय पाकिस्तान का उपयोग करना चाह रहा है। अमेरिका में तो ट्रंप के इन पैंतरों का विश्लेषण भी शुरू हो गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा विश्लेषक डेरेक ग्रॉसमैन ने कहा, यह काफी हैरानी वाली बात है कि ट्रंप ने मोदी को चुपचाप व्हाइट हाउस आमंत्रित करने की कोशिश की जब असीम मुनीर भी वहां लंच के लिए मौजूद थे। उन्होंने कहा कि ट्रंप को भारत-पाकिस्तान तनावों की पृष्ठभूमि और इतिहास की कोई समझ नहीं है, वह बस एक फोटो खिंचवाना चाहते हैं ताकि बाद में नोबेल पुरस्कार मिल सके।

ईरान-इजरायल संकट में जब हर रास्ता बंद था...

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आर्मेनिया ने भारत का सक्रिय समर्थन किया है। विशेष रूप से कश्मीर मामले में भारत के रुख का समर्थन करते हुए आर्मेनिया ने इसे पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय स्तर पर सुलझाने की बात कही। इसके साथ ही, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सदस्यता दिलाने की भारत की कोशिशों का भी आर्मेनिया ने समर्थन किया है। भौगोलिक दृष्टि से भी आर्मेनिया भारत के लिए बेहद अहम है। यह दक्षिणी काकेशस क्षेत्र में स्थित है और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस गलियारे के माध्यम से भारत, ईरान और आर्मेनिया को जोड़ते हुए यूरोप तक व्यापारिक पहुँच बनाना चाहता है।

संजय दुबे

ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के बीच तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने मंगलवार को कम से कम 110 फंसे हुए भारतीय छात्रों को देश से सुरक्षित बाहर निकालने में सफलता पाई। इन छात्रों को नूर दुज-अगार क सीमा पार क आर्मेनिया पहुंचाया गया। वहां से ये छात्र राजधानी येरेवन भेजे गए। इन्हें लेकर एक विशेष विमान गुरुवार सुबह नई दिल्ली पहुंचेगा।

ईरानी हवाई क्षेत्र के अनिश्चितकालीन बंद होने के कारण, भारत के लिए हवाई मार्ग से निकासी संभव नहीं रही। ऐसे में जमीनी सीमाओं के जरिये रास्ता निकालना पड़ा। यह भारत के लिए एक जटिल चुनौती थी, खासकर इसलिए क्योंकि ईरान के कुछ पड़ोसी देशों से भारत के रिश्ते वर्तमान में तनावपूर्ण हैं, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद और भी बिगड़ गए हैं।

पाकिस्तान, जो भारत का प्रमुख भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी है, हाल ही में सैन्य तनाव का केंद्र रहा है। बलूच मातृभूमि में ईरान और पाकिस्तान के बीच की सीमा भी इस निकासी के लिए बंद है। इसी तरह तुर्की और अजरबैजान की सीमाएं भी ईरान से लगी होने के बावजूद भारत के लिए अनुपलब्ध रहीं। इन दोनों देशों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया था, जिससे नई दिल्ली के साथ उनके रिश्ते और बिगड़े हैं।

भारत के तालिबान-शासित अफगानिस्तान के साथ भी कोई औपचारिक संबंध नहीं हैं, जो ईरान के पूर्व में स्थित है। इन स्थितियों में केवल तीन देशों के रास्ते ही सैद्धांतिक रूप से खुले बचे थे–तुर्कमेनिस्तान, इराक और आर्मेनिया।

ईरान-तुर्कमेनिस्तान सीमा क्षेत्र में आबादी बहुत कम है, खासकर ईरानी हिस्से में, जिससे रसद की बड़ी चुनौती खड़ी हो सकती थी। वहीं, इराक के साथ सीमा ईरान और इजरायल के संघर्ष की आग की सीध में आती है। हालांकि यह सीमा फिलहाल खुली है, लेकिन इराक के ज्यादातर हवाई अड्डे युद्ध की आशंका के चलते बंद कर दिए गए हैं। ऐसे में ईरान और आर्मेनिया के बीच स्थित केवल 44 किलोमीटर लंबी सीमा भारतीय निकासी के लिए सबसे व्यवहारिक विकल्प बनकर सामने आई। खास बात यह रही कि तेहरान और नूरदुज-अगारक सीमा बिंदु के बीच करीब लगभग 730 किलोमीटर की दूरी एक प्रमुख राजमार्ग से अच्छी तरह जुड़ी हुई है, जिससे राहत कार्य आसान हो गया।

इस घटनाक्रम ने भारत और आर्मेनिया के वर्षों पुराने लेकिन हालिया प्रगाढ़ हुए संबंधों को एक नया आयाम दिया है। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रिश्ते सहस्राब्दियों पुराने हैं, लेकिन मौजूदा रणनीतिक गठबंधन कुछ अहम भू-राजनीतिक कारणों की वजह से बना है।

तुर्की और पाकिस्तान द्वारा अज़रबैजान के पक्ष में खुलकर खड़े हो जाने के बाद भारत ने नागोर्नो-करबाख विवाद में आर्मेनिया का समर्थन करना शुरू किया। नई दिल्ली ने हाल के वर्षों में रूस को पीछे छोड़ते हुए आर्मेनिया का सबसे बड़ा सैन्य आपूर्तिकर्ता बनने की दिशा में कदम बढ़ाया है। 2022 में हुए 250 मिलियन डॉलर के रक्षा सौदे के तहत भारत ने पिनाका मल्टी-बैरल रॉकेट लॉन्चर आकाश-1एस वायु रक्षा प्रणाली और अन्य हथियार आर्मेनिया को आपूर्ति किए।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आर्मेनिया ने भारत का सक्रिय समर्थन किया है। विशेष रूप से कश्मीर मामले में भारत के रुख का समर्थन करते हुए आर्मेनिया ने इसे पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय स्तर पर सुलझाने की बात कही। इसके साथ ही, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सदस्यता दिलाने की भारत की कोशिशों का भी आर्मेनिया ने समर्थन किया है। भौगोलिक दृष्टि से भी आर्मेनिया भारत के लिए बेहद अहम है। यह दक्षिणी काकेशस क्षेत्र में स्थित है और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस गलियारे के माध्यम से भारत, ईरान और आर्मेनिया को जोड़ते हुए यूरोप तक व्यापारिक पहुँच बनाना चाहता है। इस परियोजना का उद्देश्य भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देना और क्षेत्रीय प्रभाव को बढ़ाना है।

योगिनी एकादशी का व्रत कब रखा जाएगा? शुभ मुहूर्त और पूजा का महत्व

हिंदू धर्म में योगिनी एकादशी का विशेष महत्व है, और यह दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित है। यह आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को मनाई जाती है। इस एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा और व्रत का विधान है। ऐसी मान्यता है कि योगिनी एकादशी का व्रत रखने और भगवान विष्णु की विधिपूर्वक पूजा करने से सभी पापों का नाश होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस व्रत को करने से शारीरिक कष्ट और बीमारियां दूर होती हैं। ऐसा कहा जाता है योगिनी एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति को मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है।

कब रखा जाएगा व्रत?

यह आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को पड़ती है। एकादशी तिथि 21 जून 2025 को सुबह 07 बजकर 18 मिनट पर शुरू होगी और 22 जून 2025 को सुबह 04 बजकर 27 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के नियमानुसार, व्रत 21 जून को ही रखा जाएगा। व्रत का पारण का समय 22 जून रविवार को दोपहर 01 बजकर 47 मिनट से शाम 04 बजकर 35 मिनट तक रहेगा।

पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है?

योगिनी एकादशी के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त अलग-अलग है। आप उस हिसाब से पूजा-पाठ विधिवत रूप से भगवान विष्णु का कर सकते हैं।

सुबह का शुभ मुहूर्त -
07.26 से 09.07 तक
अभिजीत मुहूर्त -
दोपहर 12.01 से 12.55 तक
दोपहर का शुभ मुहूर्त-
8 से 02.09 तक
दूसरा दोपहर का शुभ मुहूर्त -
03.49 से 05.30 तक

योगिनी एकादशी के दिन पूजा का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, योगिनी एकादशी का व्रत और पूजा करने से व्यक्ति के सभी पाप कर्म समाप्त हो जाते हैं। पद्म पुराण के अनुसार, यह व्रत सभी पापों को नाश करने वाला है। आपको बता दें, इस एकादशी को रोग नाशक एकादशी भी कहा जाता है।

ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति शारीरिक या मानसिक कष्टों से परेशान है, उसके लिए योगिनी एकादशी का व्रत अत्यंत लाभकारी होता है और इस दिन पूजा करने से शारीरिक रोग दूर होते हैं।

योगिनी एकादशी को क्यों कहा जाता है रोग संहारक व्रत

हिंदू धर्म में योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने से लाभ हो सकता है। साथ ही जीवन में आ रही सभी समस्याएं दूर हो सकती है। अब ऐसे में योगिनी एकादशी को रोग संहारक व्रत के नाम से जाना जाता है।

हिंदू धर्म में योगिनी एकादशी की पूजा का विशेष महत्व है। यह आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली एकादशी है और इसे तीनों लोकों में प्रसिद्ध एकादशी माना गया है। ऐसी मान्यता है कि योगिनी एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति को समस्त पापों से मुक्ति मिलती है। यह व्रत पापों को शांत कर जीवन को सुखी बनाता है। यह एकादशी उन लोगों के लिए विशेष रूप से फलदायी मानी जाती है जो किसी श्राप या शाप से पीड़ित हैं। माना जाता है कि इस व्रत के प्रभाव से ऐसे श्रापों का निवारण होता है और व्यक्ति को शांति प्राप्त होती है। इसके अलावा, यह एकादशी शारीरिक कष्टों से मुक्ति दिलाने और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद देने वाली भी मानी जाती है। आपको बता दें, यह व्रत रोग संहारक वाला माना जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, योगिनी एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। पापों का नाश होने से शारीरिक और मानसिक कष्टों से भी मुक्ति मिलती है, क्योंकि कई रोगों का कारण पूर्व जन्म के कर्म या पाप माने जाते हैं। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। भगवान विष्णु को सृष्टि का पालनहार माना जाता है और उनकी कृपा से सभी प्रकार के दुख, कष्ट और रोग दूर होते हैं।

योगिनी एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना और व्रत करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है, जिससे आरोग्य का वरदान मिलता है। आपको बता दें, योगिनी एकादशी को रोग संहारक व्रत कहे जाने के पीछे एक कथा है। कहा जाता है कि स्वर्ग का एक माली हेममाली, जो भगवान शिव का भक्त था। वह अपनी पत्नी के वियोग में कोढ़ी हो गया था। तब नारद मुनि के कहने पर उसने योगिनी एकादशी का व्रत विधि-विधान से किया। इस व्रत के प्रभाव से हेममाली को न केवल कुष्ठ रोग से मुक्ति मिली, बल्कि उसे अपना सुंदर रूप वापस मिल गया और वह अपने परिवार व स्वामी के पास लौट सका। यह कथा बताती है कि योगिनी एकादशी का व्रत गंभीर से गंभीर शारीरिक रोगों का नाश करने की शक्ति रखता है। ऐसा माना जाता है कि इस व्रत का पालन करने से 18 प्रकार के कुष्ठ रोग और शारीरिक व्याधियां दूर होती हैं।

योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु का केसर से अभिषेक करने से मिलते हैं ये लाभ

योगिनी एकादशी का व्रत रखने से भक्तों को सभी कष्टों से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। इस एकादशी के दिन व्रत रखने से व्यक्ति की सभी परेशानियां दूर होती है और मनचाहे परिणाम मिलते हैं। योगिनी एकादशी के दिन रोग संहारक के व्रत के नाम से भी जाना जाता है। पंचांग के हिसाब से योगिनी एकादशी का व्रत आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि के दिन रखा जाता है। वहीं इस साल यह व्रत 21 जून को रखा जाएगा। अब ऐसे में एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करने के साथ-साथ अभिषेक करने का भी महत्व है। अब ऐसे में भगवान विष्णु का केसर से अभिषेक करने का क्या महत्व है।

- योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु का करें केसर से अभिषेक
- सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- पूजा घर को साफ करें और भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें।
- एक लोटे में गंगाजल या शुद्ध जल लें और उसमें थोड़ा सा केसर घोल लें।
- अब इस केसर मिश्रित जल से भगवान विष्णु का धीरे-धीरे अभिषेक करें। अभिषेक करते समय ऊं नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करते रहें।
- अभिषेक के बाद भगवान को पंचामृत यानी कि दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल का मिश्रण से स्नान कराएं।
- इसके बाद फिर से शुद्ध जल से स्नान कराकर उन्हें साफ कपड़े से पोंछें।
- भगवान को पीले वस्त्र, चंदन, पुष्प, तुलसी दल और भोग अर्पित करें।
- आखिर में भगवान विष्णु की आरती करें।

भगवान विष्णु को केसर अत्यंत प्रिय है। योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु का केसर से अभिषेक करना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से भगवान विष्णु शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। केसर अभिषेक से घर में सुख-समृद्धि आती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। ऐसी मान्यता है कि केसर से अभिषेक करने से भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। यह दरिद्रता दूर कर धन-धान्य में वृद्धि करता है।

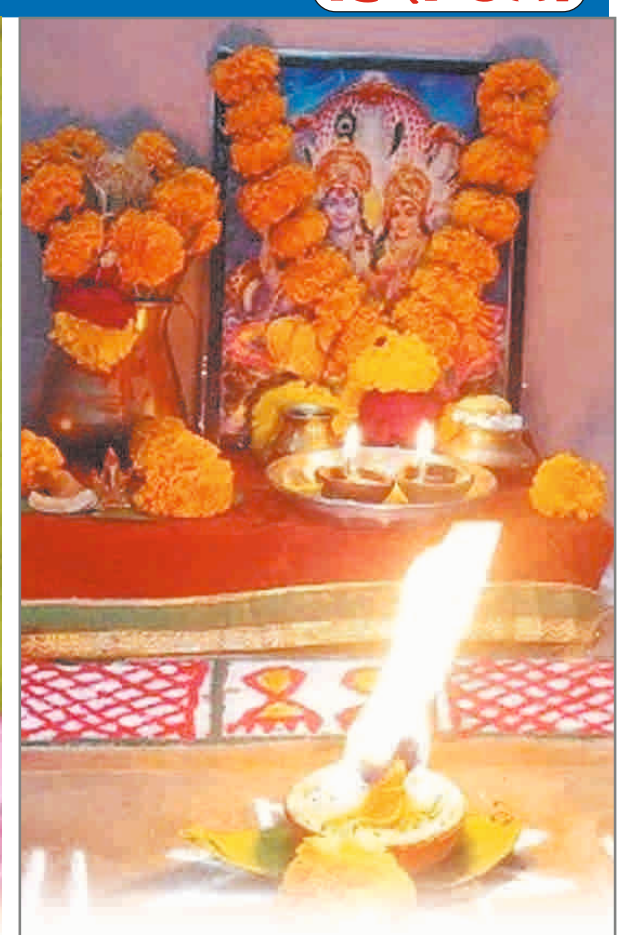

योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के सामने कौन सा दीया जलाना चाहिए?

योगिनी एकादशी का व्रत रखने से मानसिक बल मिलता है जिसके कारण व्यक्ति की निर्णय लेने की शक्ति बढ़ती है। साथ ही, यह व्रत रखने से व्यक्ति की इन्ट्यूशन पॉवर भी बढ़ती है क्योंकि योगिनी एकादशी भीतर के ज्ञान और चेतना को जागृत करती है। आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की योगिनी एकादशी को बहुत पुण्यकर माना जाता है क्योंकि इस एकादशी का व्रत रखने से अध्यात्मिक उन्नति होती है, ध्यान और योग के माध्यम से भगवत ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है एवं इस एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति को भगवान विष्णु की कृपा से मानसिक बल मिलता है जिसके कारण व्यक्ति की निर्णय लेने की शक्ति बढ़ती है और उसकी भीतर की चेतना भी जागृत होती है या यूं कहें कि मजबूत होती है। सरल शब्दों में समझाएं तो योगिनी एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति की इन्ट्यूशन पॉवर बढ़ती है। इसी कारण से इस व्रत के दौरान भगवान विष्णु की पूजा करते हुए ध्यान लगाना बहुत आवश्यक माना गया है। वहीं, दूसरी ओर इस दिन भगवान विष्णु की आराधना के दौरान विशेष दीया जलाने का भी महत्व और लाभ है। ऐसे में आइये जानते हैं कि योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के समक्ष कौन सा दीया जलाएं और क्या हैं उससे मिलने वाले लाभ।

योगिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु के सामने पूजा के दौरान गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाना चाहिए। गेंदे का फूल बृहस्पति ग्रह से संबंधित माना जाता है। बृहस्पति ग्रह को ज्ञान, बुद्धि, समृद्धि, सौभाग्य, संतान और विवाह का कारक ग्रह माना जाता है। वहीं, कपूर को ज्योतिष में शुक्र ग्रह से संबंधित माना जाता है। शुक्र ग्रह ऐश्वर्य, सुख-समृद्धि, सौंदर्य, प्रेम और दांपत्य जीवन का कारक है।

ऐसे में भगवान विष्णु के सामने गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से घर में सुख-समृद्धि आती है और धन संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलती है। व्यक्ति की बुद्धि तेज होती है, शिक्षा में सफलता मिलती है और सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है। यह दीया जलाने से नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से श्री हरि प्रसन्न हो जाते हैं।

भगवान विष्णु के सामने गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से संतान संबंधी समस्याओं और विवाह में आने वाली बाधाओं से छुटकारा मिलता है। भगवान विष्णु के सामने गेंदे के फूल और कपूर का दीया जलाने से क्ति के भीतर के अहंकार का नाश होता है और विनम्रता बढ़ती है। शांति का अनुभव होता है और मानसिक तनाव कम होता है। चूंकि भगवान विष्णु पितरों के देवता हैं, ऐसे में इससे पितृ दोष भी दूर होता है।

आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। योगिनी एकादशी का व्रत रखना बहुत पुण्यकर माना जाता है। इस व्रत को रखने और भगवान विष्णु की विधि-विधान से पूजा करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह व्रत न केवल शारीरिक कष्टों और बीमारियों को दूर करता है बल्कि 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर पुण्य भी प्रदान करता है। इसके अलावा, योगिनी एकादशी के दिन दाना का भी बहुत महत्व माना जाता है।

घर की दरिद्रता करना चाहती हैं दूर तो योगिनी एकादशी के दिन करें इन चीजों का दान

- योगिनी एकादशी के दिन गेहूं, चावल, दालें, या पका हुआ भोजन जैसे खिचड़ी, पूड़ी-सब्जी। आप किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को, मंदिर में या किसी गौशाला में दान कर सकते हैं। अन्न का दान शास्त्रों में सर्वोत्तम दान माना गया है। इससे घर में कभी अन्न की कमी नहीं होती और मां अन्नपूर्णा की कृपा बनी रहती है। यह व्यक्ति के पिछले जन्मों के पापों को भी नष्ट करता है और भविष्य में सुख-समृद्धि लाता है। ज्योतिष के अनुसार, अन्न दान से कुंडली में कमजोर ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है और दरिद्रता दूर होती है।
- गरीबों या जरूरतमंदों को साफ और नए कपड़े दान करें। विशेष रूप से पीले रंग के वस्त्र दान करना शुभ माना जाता है क्योंकि पीला रंग भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। वस्त्र दान से व्यक्ति को मान-सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। यह घर में सुख-शांति लाता है और सामाजिक संबंधों को मजबूत करता है। ज्योतिष में, पीले वस्त्रों का दान बृहस्पति ग्रह को मजबूत करता है जिससे ज्ञान, भाग्य और समृद्धि बढ़ती है।
- प्यासे लोगों को पानी पिलाएं, सार्वजनिक स्थानों पर पानी की व्यवस्था करें या जल से भरे कलश का दान करें। जल का दान जीवन और तृप्ति का प्रतीक है। इससे पितरों को शांति मिलती है और व्यक्ति को मानसिक शांति प्राप्त होती है। ज्योतिष में जल दान चंद्रमा ग्रह को शांत करता है जिससे मन की चंचलता दूर होती है और भावनात्मक स्थिरता आती है।
- मंदिर में, पीपल के पेड़ के नीचे या तुलसी के पौधे के पास घी या तेल का दीपक जलाएं। दीप दान करने से जीवन से अंधकार दूर होता है और ज्ञान का प्रकाश फैलता है। यह घर की दरिद्रता दूर करता है और सभी इच्छाओं की पूर्ति में सहायक होता है। ज्योतिष के अनुसार, दीप दान करने से सूर्य और मंगल जैसे ग्रहों के शुभ प्रभाव बढ़ते हैं जो ऊर्जा, आत्मविश्वास और सफलता प्रदान करते हैं।
- अपनी क्षमतानुसार ब्राह्मणों, जरूरतमंदों या धार्मिक संस्थाओं को धन दान करें। धन का दान व्यक्ति के अंदर की लोभ की भावना को कम करता है और उदारता बढ़ाता है। इससे घर में लक्ष्मी का वास होता है और आर्थिक समस्याएं दूर होती हैं। ज्योतिष में धन का दान शुक्र ग्रह को बल देता है जिससे सुख, ऐश्वर्य और भौतिक समृद्धि आती है।
- मौसमी फल जैसे आम, केला, सेब आदि का दान करें। फलों का दान आरोग्य और खुशहाली लाता है। यह जीवन में मिठास भरता है और संतोष की भावना प्रदान करता है। इन चीजों का दान करते समय सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दान निस्वार्थ भाव से और पूरी श्रद्धा के साथ किया जाए। दिखावे के लिए किया गया दान उतना फलदायी नहीं होता जितना सच्चे मन से किया गया दान।

लोगों ने कहा मुझे एक्टिंग नहीं आती

एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन की गिनती साउथ की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। मलयाली होने के बावजूद अनुपमा ने तेलुगु सिनेमा में अपना एक अलग नाम कमाया है। अब अनुपमा सुरेश गोपी की फिल्म 'जानकी बनाम केरल राज्य' के साथ मलयालम सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म के ऑडियो लॉन्च इवेंट में अनुपमा ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया।

'जानकी बनाम केरल राज्य' के ऑडियो लॉन्च इवेंट में अनुपमा परमेश्वरन अपनी आलोचनाओं को लेकर भी खुलकर बात की। साथ ही करियर के शुरुआती दिनों को भी याद किया। अभिनेत्री ने कहा, कई लोगों ने मुझे मलयालम में यह कहते हुए खारिज कर दिया कि मुझे अभिनय करना नहीं आता। मुझे बहुत ज्यादा टार्गेटेड ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। लोगों ने जानबूझकर मेरी आलोचना की और मुझे निशाना बनाया। इन सबके बावजूद इस फिल्म के निर्देशक प्रवीण नारायणन ने मुझे मुख्य किरदार के रूप में कास्ट किया। इस फिल्म में एक दिल है और वह जानकी है। मुझे उसे सौंपने के लिए प्रवीण नारायणन का धन्यवाद।

सुरेश गोपी ने की अनुपमा की तारीफ

अभिनेता सुरेश गोपी ने अपनी को-स्टार अनुपमा परमेश्वरन की तारीफ की। उन्होंने अनुपमा की तुलना सिमरन, नयनतारा और असिन जैसी स्टार्स के साथ की। सुरेश गोपी ने कहा कि इन तीनों को भी शुरू में अनदेखा किया गया था, लेकिन बाद में वे स्टार बन गईं। अभिनेता-राजनेता ने विश्वास जताया कि अनुपमा भी उनकी तरह ही एक बड़ी स्टार बनेंगी। उन्होंने कहा कि वही निर्देशक जिन्होंने कभी मलयालम सिनेमा में अनुपमा की अनदेखी की थी, जल्द ही उनकी डेट्स के लिए उनका पीछा करेंगे।

आखिरी बार 'कुरुप' में नजर आई थीं अनुपमा

अनुपमा परमेश्वरन ने कल्ट फिल्म 'प्रेमम' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। उन्होंने 'टिल्लू स्क्वायर', 'ए एए' और 'कार्तिकेय 2' जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया। वो आखिरी बार 2021 में आई मॉलीवुड फिल्म 'कुरुप' में नजर आई थीं।

दीपिका पादुकोण के 8 घंटे काम करने वाली डिमांड को सपोर्ट करती दिखीं बनिता

कुछ वक्त पहले दीपिका पादुकोण ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' में केवल 6 से 8 घंटे काम करने के लिए शर्त रखी क्योंकि वह अपनी आठ महीने की बेटी पर भी ध्यान देना चाहती थीं। ऐसे में फिल्म से दीपिका को हटा दिया गया। आठ घंटे इंडस्ट्री में काम करने वाले मुद्दे पर कई सेलिब्रिटीज अपनी राय रख चुके हैं। इस लिस्ट में बनिता संधू भी शामिल हो चुकी हैं।

काम के घंटों पर रखी अपनी राय

हाल ही में स्क्रीन को दिए गए एक इंटरव्यू में बनिता संधू ने बताया कि वह करियर के शुरुआती दौर में ही प्रोड्यूसर के खिलाफ खड़ी हो गई थीं। दरअसल, उनसे एक फिल्म में लगभग 18 घंटे काम करवाया गया। बनिता कहती हैं, 'हॉलीवुड में एक्टर्स, क्रू के सपोर्ट में बहुत सी यूनियन हैं। वहां काम के घंटे तय हैं। मुझे लगता कि किसी की मेंटल हेल्थ को खराब करके, कोई काम करवाना चाहिए। आखिर, फिल्म में काम करना भी एक जॉब ही है, काम के बाद सबको पूरी नींद चाहिए। यह तो सबकी जरूरत है, अधिकार है। जब मैंने बॉलीवुड में काम करना शुरू किया, तो काफी घंटे काम किया। मुझे शुरुआत में लगा कि ऐसे ही काम होता है।' आगे चलकर इस बात का विरोध बनिता ने किया, जबकि उनको इस बात का अहसास था कि ऐसा करने पर वह इंडस्ट्री से ब्लैक लिस्ट भी हो सकती हैं।

दिलजीत की इस फिल्म में दिखेंगी

जल्द ही बनिता संधू एक फिल्म 'डिटेक्टिव शेरदिल' में नजर आएंगी। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ ने एक डिटेक्टिव का रोल किया है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी।

इन प्रोजेक्ट्स में बनिता आई नजर

साल 2018 में 'अक्टूबर' फिल्म में बनिता संधू वरुण धवन के साथ नजर आईं। यह एक सीरियस लव स्टोरी वाली फिल्म थी। इसके अलावा वह ब्रिटिश सीरीज 'ब्रिजर्टन 3' में भी नजर आ चुकी हैं। बनिता ने बॉलीवुड के अलावा साउथ फिल्मों में भी काम किया है।

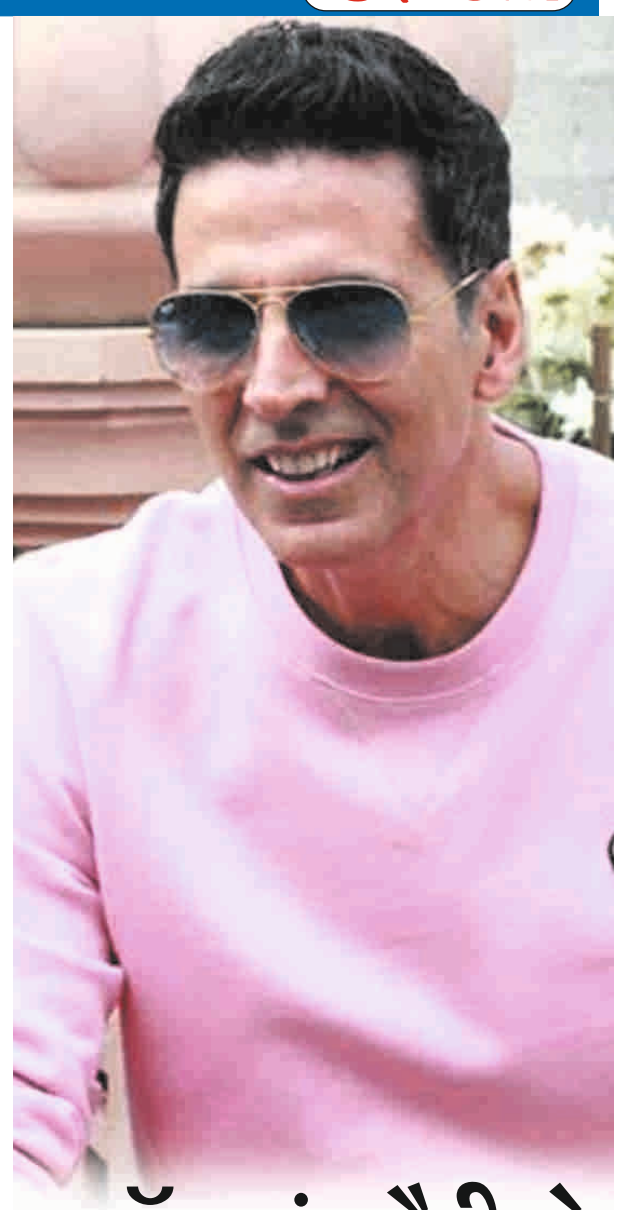

टॉम एंड जैरी से अक्षय ने ली एक्शन की इंस्पिरेशन

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार अपने स्टंट्स खुद करने के लिए फेमस हैं। चाहे खिलाड़ी सीरीज में छतों से छलांग लगाना हो, या फिर ब्लू और हॉलिडे जैसी फिल्मों में पानी के अंदर और हवा में मुश्किल सीन करना। हाल ही में बातचीत में अक्षय ने बताया कि उन्हें ऐसे खतरनाक स्टंट्स करने की प्रेरणा कहां से मिलती है। इंटरव्यू में अक्षय ने बताया, क्या आप जानते हैं मैं इन स्टंट्स की प्रेरणा कहां से लेता हूं? यकीन नहीं करेंगे टॉम एंड जेरी से। मुझे टॉम एंड जेरी देखना बहुत पसंद है। मुझे लगता है ये शो बहुत वायलेंट है। हां, बच्चों के लिए बना है, लेकिन अगर ध्यान से देखें तो हर एपिसोड में जबरदस्त एक्शन होता है। हर एपिसोड 10-12 मिनट का होता है, और पूरा एक्शन से भरा होता है। मैंने इससे बहुत इंस्पिरेशन ली है।

अक्षय कुमार की सबसे बड़ा खिलाड़ी 1995 में रिलीज हुई थी। अक्षय ने कुछ सीन के उदाहरण देते हुए कहा, मुझे याद है एक बार टॉम हेलिकॉप्टर से लटक कर नीचे आता है और जेरी को पकड़ता है, ये मैंने सबसे बड़ा खिलाड़ी में किया था। एक सीन में टॉम प्लेन से लटकता है, वो मैंने खिलाड़ी 420 में किया। एक और सीन है जिसमें टॉम हेलिकॉप्टर के नीचे झूला बांधता है और जेरी के साथ बैठकर वाइन पीता है, ये मैंने खतरों के खिलाड़ी में किया था। अक्षय बोले — शो से एक्शन के कई आइडिया मिल सकते हैं अक्षय ने आगे कहा, टॉम एंड जेरी से आप एक्शन के कई आइडिया ले सकते हैं। ये अब तक की सबसे बेहतरीन एक्शन फिल्म है जो मैंने देखी है। लोग इसे मजेदार समझते हैं, लेकिन असल में ये बहुत वायलेंट है। एक एपिसोड में टॉम पूरा घर बैट से तोड़ देता है! सोचिए, आप बच्चों को कितना वायलेंट शो दिखा रहे हैं!

अक्षय जल्द दिखेंगे कन्नप्पा में भगवान शिव के रोल में बता दें कि अब अक्षय कुमार कन्नप्पा नाम की फिल्म में भगवान शिव की खास भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म विष्णु मंचू और मोहन बाबू की है। इसमें प्रभास और मोहनलाल का कैमियो भी है। फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पहली बार सलमान के साथ नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह

चित्रांगदा सिंह हाल ही में अक्षय कुमार की फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आई हैं। जल्द ही वह सलमान खान की आने वाली फिल्म में नजर आएंगी। यह फिल्म गलवान घाटी विवाद पर आधारित होगी। खबरें हैं कि सलमान खान ने फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस के तौर पर चित्रांगदा सिंह का चुनाव कर लिया है। चित्रांगदा सिंह को हजारों ख्वाहिशें ऐसी और देसी ब्वॉज में अच्छी अदाकारी के लिए जाना जाता है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक अपूर्व लखिया इस फिल्म का निर्देशन करेंगे। यही नहीं चित्रांगदा सिंह इन दिनों अपकमिंग फिल्म रात अकेली है में भी नजर आने वाली हैं। सलमान खान की फिल्म की शूटिंग जुलाई 2025 से शुरू होगी और अक्टूबर तक पूरी हो जाएगी।

रवि तेजा की नई फिल्म की शूटिंग शुरू, कम समय में पूरी करेंगे फिल्म

रवि तेजा की फिल्मों की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। उनकी अगली फिल्म मास जथारा है, जो 27 अगस्त 2025 को रिलीज होगी। साथ ही, वे किशोर तिरुमाला के निर्देशन में अपनी नई फिल्म आरटी76 पर काम कर रहे हैं। आरटी76 अभी फिल्म का अस्थाई नाम है। जानकारी के अनुसार, रवि अपनी इस नई फिल्म की शूटिंग कम समय में पूरी कर लेंगे। एक खबर के मुताबिक, आरटी76 की टीम पूरी शूटिंग सिर्फ 50 दिनों में खत्म करने की कोशिश कर रही है। टॉलीवुड में, जहां शूटिंग में आमतौर पर ज्यादा समय लगता है, यह एक बड़ा चैलेंज है। अगर वे ऐसा कर पाए, तो यह दिखाएगा कि कम समय में भी अच्छी क्वालिटी की फिल्म बनाई जा सकती है।

फिल्म की स्टार कास्ट

सुधाकर चेरुकुरी के प्रोडक्शन और भीम्स सेसिरोलेओ के म्यूजिक से सजी आरटी76 पहले से ही चर्चा में है। रवि तेजा की फिल्म आरटी76 में उनके साथ केतिका शर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। रवि और केतिका के अलावा फिल्म में ममिता बैजू और कयादु लोहार भी अहम भूमिका में नजर आ सकते हैं। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

मिर्जापुर के 'मुन्ना भैया' ही नहीं, इन किरदारों ने भी दिलाई दिव्येंदु शर्मा को पहचान

आपको 'मिर्जापुर' सीरीज के मुन्ना भैया तो याद ही होंगे। तीसरे सीजन में मुन्ना भैया का न होना हर किसी को खला। मुन्ना भैया के किरदार से घर-घर में मशहूर होने वाले दिव्येंदु शर्मा आज अपना 42वां जन्मदिन मना रहे हैं। 19 जून 1983 को दिल्ली में जन्में दिव्येंदु ने एफटीआई से एक्टिंग के गुर सीखे हैं। दिव्येंदु ने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में आई माधुरी दीक्षित की फिल्म 'आजा नचले' में एक छोटी सी भूमिका से की थी। इसके बाद दिव्येंदु को पहला बड़ा रोल मिला 2011 में आई फिल्म 'प्यार का पंचनामा' में। इसके लिए उन्हें अवॉर्ड भी मिला। इसके बाद दिव्येंदु कई फिल्मों में सपोर्टिंग रोल में नजर आए। दिव्येंदु को पहचान मिली 2018 में आई वेब सीरीज 'मिर्जापुर' से। इस सीरीज में उनके द्वारा निभाए गए मुन्ना भैया के किरदार ने उन्हें काफी फेमस कर दिया। मुन्ना भैया का किरदार दिव्येंदु के करियर का सबसे हिट किरदार है। लेकिन क्या आपको पता है कि मिर्जापुर के अलावा भी दिव्येंदु ने कई बेहतरीन भूमिकाएं निभाई हैं।

मुन्ना भैया (मिर्जापुर)

2018 में आई प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'मिर्जापुर' में दिव्येंदु शर्मा ने मुन्ना भैया का किरदार निभाया है। वो सीरीज में एक खूंखार गैंगस्टर के बेटे के रोल में हैं, जो पावर में रहना चाहता है। यह सीरीज सुपरहिट हुई और दिव्येंदु के किरदार को काफी पसंद किया गया। इसके बाद 2020 में मिर्जापुर का दूसरा सीजन आया है। इस बार भी दिव्येंदु का मुन्ना भैया का किरदार उसी दमदार अंदाज में नजर आया। दूसरे सीजन में भी दिव्येंदु के अभिनय को सराहा गया। हालांकि, पिछले साल आए तीसरे सीजन में दिव्येंदु शर्मा नजर नहीं आए।

लिक्विड (प्यार का पंचनामा)

2011 में आई कॉमेडी फिल्म 'प्यार का पंचनामा' में दिव्येंदु शर्मा ने निशांत अग्रवाल उर्फ लिक्विड का किरदार निभाया है। अलग-अलग प्रेम कहानियों को दिखाती इस फिल्म को काफी पसंद किया गया था। जबकि दिव्येंदु का किरदार लिक्विड भी लोगों में काफी हिट रहा था। मुन्ना भैया के अलावा दिव्येंदु का सबसे यादगार किरदार लिक्विड का ही है।

ओमी (चश्मे बद्दूर)

फारूख शेख और दीप्ति नवल की साल 1981 में आई फिल्म 'चश्मे बद्दूर' का साल 2013 में इसी नाम से रीमेक आया था। इस फिल्म में तापसी पन्नू, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा और सिद्धार्थ प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म की कहानी तीन दोस्तों की है। इस फिल्म में दिव्येंदु शर्मा ने ओमी नाम का किरदार निभाया था। फिल्म लोगों को अच्छी लगी थी और ओमी के किरदार को भी काफी पसंद किया गया था।

बलवंत यादव (द रेलवे मैन)

भोपाल गैस त्रासदी भारतीय इतिहास की एक सबसे बड़ी घटनाओं में से एक है। साल 2023 में इसी त्रासदी पर आधारित एक वेब सीरीज आई थी 'द रेलवे मैन'। इस सीरीज में भोपाल गैस त्रासदी की रात रेलवे कर्मचारियों की भूमिका को दिखाया गया है। सीरीज में केके मेनन और आर माधवन जैसे कलाकारों के साथ दिव्येंदु शर्मा भी नजर आए हैं। सीरीज में दिव्येंदु ने बलवंत यादव नाम के एक चोर की भूमिका निभाई है, जो खुद को रेलवे पुलिस कर्मचारी के किरदार में ढाल लेता है। यह सीरीज हिट रही थी और दिव्येंदु के अभिनय की काफी तारीफ हुई थी।

सुंदर मोहन त्रिपाठी (बत्ती गुल मीटर चालू)

दिव्येंदु शर्मा 2018 में आई शाहिद कपूर, श्रद्धा कपूर और यामी गौतम स्टारर फिल्म 'बत्ती गुल मीटर चालू' में सुंदर मोहन त्रिपाठी नाम के किरदार में नजर आए हैं। दिव्येंदु फिल्म में एक अहम किरदार में नजर आए हैं। यह फिल्म बिजली बिल में होते भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बात करती है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भले ही कुछ खास कमाल न दिखा पाई हो, लेकिन दिव्येंदु के अभिनय की जरूर काफी तारीफ हुई थी।

इन किरदारों को भी मिली सराहना

इन प्रमुख किरदारों के अलावा दिव्येंदु शर्मा ने कुछ ऐसी भी फिल्में और सीरीज की हैं, जिनमें वो प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। भले ही वो फिल्में और सीरीज उतनी चर्चाओं में न रही हों, लेकिन दिव्येंदु ने इनमें शानदार अभिनय किया है। इन फिल्मों व सीरीज में 2022 में आई फिल्म 'मेरे देश की धरती' में निभाया गया अजय का किरदार, वेब सीरीज 'बिच्छे का खेल' में अखिल श्रीवास्तव का किरदार और फिल्म 'बदनाम गली' में निभाया गया रणदीप का किरदार शामिल है।

गहलोत-पायलट सहित कई नेताओं ने गांधी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं, कहा- न्याय की लड़ाई में हम सब राहुल के साथ

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित कई कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। गहलोत ने सोशल मीडिया के माध्यम से राहुल गांधी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि गांधी देश में शोषित, वंचित, दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग और उच्च जातियों के गरीबों के अधिकारों के लिए जिस हद तक लड़ रहे हैं, वह वाकई अभूतपूर्व है। यह सच्चा सामाजिक न्याय है। न्याय की इस लड़ाई में हम सब उनके साथ हैं।

गहलोत ने कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए राहुल गांधी के दृढ़ संकल्प और पूरे देश में शांति और प्रेम का संदेश सफल होगा। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि वह आगे आए और नेतृत्व करें, लोकतंत्र को मजबूत और संविधान की रक्षा करें। इसी तरह डोटासरा, पायलट सहित अन्य कई पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को उनके जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी और दीर्घायु होने की कामना की।

गाय को बचाने के चक्कर में पलटी ग्रामीण बस, 10 यात्री हुए घायल, 3 गंभीर घायलो को कोटपूतली किया रेफर

बानसूर। नारायणपुर से कोटपूतली जा रही ग्रामीण बस में 25 यात्री सवार थे। सुबह करीब 9 बजे नयाबास के पास गाय को बचाने के प्रयास में बस खेत में पलट गई।

हादसे में 10 यात्री घायल हुए। स्थानीय ग्रामीणों ने यात्रियों को बस से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।दुर्घटना में तीन यात्रियों की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें कोटपूतली ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। शेष घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

गंभीर घायल यात्रियों में सीकर के पाटन की सुमन (18) पुत्री गोकुल गुर्जर, चैनपुरा की रावतों की ढाणी की रेखा (27) देवी पत्नी महेश गुर्जर और रतनपुरा की मंजू देवी (30) पत्नी ओमप्रकाश गुर्जर, निशा (22) पत्नी सुंदर निवासी रतनपुरा शामिल हैं।

अवैध पत्थर खनन की रोकथाम : अवैध पत्थर से भरा एक डम्पर किया जब्त

टोंक। जिले के निवाई थाना पुलिस ने अवैध पत्थर खनन की रोकथाम को लेकर जारी अभियान में अवैध पत्थर परिवहन करते हुए एक डंपर को जब्त करके चालक को गिफ्तार किया है। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि अवैध पत्थर खनन की रोकथाम को लेकर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्रसिंह भाटी के निर्देशन मे डीवाईएसपी मृत्यून्जय मिश्रा के निकट सुपर विजन में अवैध खनन व परिवहन की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान को लेकर पुलिस गश्त व मुखबिर की सूचना पर झिलाय की और से आ रहे अवैध पत्थर से भरे डम्पर को झिलाय रोड पर स्थित स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूल के पास नाकाबन्दी करके जब्त किया है एवं चालक ज्ञानसिंह पुत्र जगदीशप्रसाद गुर्जर निवासी करीरिया को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि डंपर को पुलिस थाने में सुरक्षार्थ खडा करवा दिया है। एवं डंपर के मालिक व चालक के विरूद्ध एमएमडीआर एक्ट प्रकरण दर्ज किया है।

झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे पर खुशी की लहर, टोरडी में 65 व चांदसेन में 42 मिमी बारिश दर्ज

टोंक। जिले के मालपुरा उपखंड क्षेत्र में गुरुवार को बदरा मेहरबान हो गए और कई घंटों तक बारिश हुई। बारिश की इस जोरदार बौछार ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं जल स्रोतों में आई आवक ने ग्रामीणों के चेहरों पर मुस्कान ला दी है। जल संसाधन विभाग के अनुसार, क्षेत्र के प्रमुख बांधों और तालाबों में पानी की अच्छी आवक दर्ज की गई है, जल संसाधन विभाग के कनिष्ठ अभियंता प्रभु चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि टोरडी सागर बांध के कैचमेंट एरिया में गुरुवार को 65 मिमी बारिश दर्ज की गई है, वहीं, चांदसेन बांध क्षेत्र में भी 42 मिमी बारिश दर्ज की गई है। क्षेत्र में अच्छी बारिश से किसानों में खासा उत्साह देखा जा रहा है, क्योंकि इससे खरीफ की फसल की बुवाई के लिए जरूरी नमी की पूर्ति होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संचयन के पारंपरिक साधनों, जैसे कुंओं और बावडि़यों में भी जलस्तर में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। बारिश के कारण जहां एक ओर लाभ हुआ है, वहीं कुछ स्थानों पर जलजमाव की भी स्थिति उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल निकासी के उचित प्रबंध करने की मांग की है।

रोजगार उत्सव से सरकारी नौकरी का सपना हो रहा पूरा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगार के समुचित अवसर उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना के तहत भर्तियां आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि भर्ती परीक्षा कैलेण्डर के अनुसार आयोजित कर युवाओं को समयबद्ध रूप से रोजगार उत्सव के तहत नियुक्तियां दी जा रही हैं।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव (जुलाई-2025) की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को आगामी जुलाई माह में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के आयोजन की सुनियोजित तैयारियां करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने विभागवार लंबित भर्ती प्रक्रियाओं की समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को नियुक्ति प्रदान करने से पूर्व शेष प्रक्रिया को त्वरित गति से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को न्यायालय में विभिन्न कारणों से लंबित भर्ती प्रकरणों की मजबूती से पैरवी करवाने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने प्रदेश में युवाओं के लिए संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं को मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव से जोड़ने के भी निर्देश दिए जिससे पात्र युवाओं को इन योजनाओं का लाभ मिल सके।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अब तक आयोजित किए गए मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के तहत प्रदेश के 67 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान कर उनका सरकारी नौकरी का सपना पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि युवाओं को पूर्ण पारदर्शिता एवं त्वरित गति से विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना : तीसरे चरण की मैरिट सूची जारी, चयनित छात्र 25 जून तक कर सकेंगे ज्वाइनिंग

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के अंतर्गत पात्र अभ्यर्थियों की तीसरे चरण की मेरिट सूची जारी कर दी है। चयनित छात्र 25 जून तक कोचिंग संस्थानों में अपनी उपस्थिति देनी होगी।

निदेशक बचनेश अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत प्रथम एवं द्वितीय चरण की मेरिट सूची में से कुछ अभ्यर्थियों ने समय पर उपस्थिति नहीं देने के कारण रिक्त रह गई। ऐसे में जिन अभ्यर्थियों के आवेदन पत्र अनुमोदित थे लेकिन अभी तक उनको कोई कोचिंग संस्थान आवंटित नहीं हुई। उन अभ्यर्थियों को सम्मलित करते हुए सत्र 2024-25 के लिए तृतीय चरण की मेरिट सूची जारी की गई है।

अम्बेरी में चला यूडीए का बुलडोज़र : भूमाफियाओं की साज़िश नाकाम

18 करोड़ रुपये मूल्य की 3 बीघा शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

उदयपुर। उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) आयुक्त राहुल जैन के निर्देश पर बुधवार को यूडीए ने बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व ग्राम अम्बेरी स्थित शासकीय भूमि से अवैध कब्जा हटाया। तहसीलदार अभिनव शर्मा के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में करीब 3 बीघा भूमि मुक्त कराई गई, जिसकी बाज़ार कीमत लगभग 18 करोड़ रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान सामने आया कि अम्बेरी के खसरा नम्बर 713, 714 और 715, जो नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर के नाम दर्ज हैं, वहां भूमाफियाओं ने पिछले 1-2 वर्षों के भीतर कई पक्के कमरे और बाउण्ड्रीवाल खड़ी कर दी थी। यही नहीं, शातिराना तरीके से इन अवैध भूखण्डों को भोले-भाले लोगों को स्टाम्प पेपर पर बेचने की भी साज़िश रची गई।

इस जालसाजी की शिकायत जब प्राधिकरण को मिली, तब तहसीलदार डॉ. अभिनव शर्मा ने ऐसे फर्जी क्रेताओं को भी आगाह करते हुए पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराने की सलाह दी।

प्राधिकरण की टीम ने इससे पहले भी दो बार मौके पर चेतावनी दी थी, परंतु भूमाफियाओं ने न तो निर्माण रोका और न ही ज़मीन खाली की। बल्कि आमजन को ठगने की अपनी चालें और तेज कर दीं। प्रशासन के मुताबिक भूमाफिया इस ज़मीन पर अवैध कब्ज़ा कर न सिर्फ अपने अवैध निर्माण कर रहे थे बल्कि मासूम खरीददारों को झूठे दस्तावेज़ दिखाकर भूखण्ड बेचने का गोरखधंधा भी चला रहे थे।

प्राधिकरण की कार्रवाई में 8 बाउण्ड्रीवाल और 10 पक्के कमरों को ध्वस्त किया गया। टीम में भू-अभिलेख निरीक्षक राजेन्द्र सेन, बाबूलाल तेली, सूरपाल सिंह सोलंकी, पटवारी दीपक जोशी एवं होमगार्ड्स का जाब्ता शामिल रहा। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्ज़ा करने वाले भू-माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी। अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी भूखण्ड या सम्पत्ति का सौदा करने से पहले उसकी विधिक स्थिति अवश्य जांच लें, ताकि जालसाजों के जाल में न फंसें। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से क्षेत्र में भू-माफियाओं में हड़कंप है। आम जनता ने भी प्रशासन की सख्ती का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि आगे भी इस तरह की मुहिम जारी रहेगी।

जलसंसाधन मंत्री ने पासोलिया वितरिका एवं वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण कार्य का किया लोकार्पण

जयपुर। जलसंसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने गुरुवार को बांसवाड़ा जिले में नागजी का पाडा अरथुना (गढ़ी) में अरथुना वितरिका एवं वितरण प्रणाली के जीर्णोद्धार कार्य के भूमि पूजन कार्यक्रम में शिरकत की। रावत ने विधिविधान व स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ भूमि पूजन किया। इस कार्य के अन्तर्गत नहरों की साईड लाईनिंग मेसेनरी, प्लास्टर, बेड लाईनिंग, शोटक्रीट आदि कार्य सम्मलित हैं, कार्य के पूर्ण होने से बागीदौरा एवं गढी विधानसभा क्षेत्र के 25 गांवों के 7 हजार 812 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हेतु अन्तिम छोर तक सुगमता पूर्वक पानी उपलब्ध करवाया जा सकेगा। साथ ही, इससे क्षेत्र की लगभग 20 हजार से अधिक जनसंख्या लाभान्वित हो सकेगी। इसके पश्चात जल संसाधन मंत्री रावत परसोलिया एवं वितरण प्रणाली के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। इस कार्य के अन्तर्गत नहरों की प्रवाह क्षमता बढ़ाने एवं नवीनीकरण के कार्य करवाये गये हैं। जिसमें नहरों की साईड लाइनिंग, मेसेनरी, प्लास्टर, बेड लाइटिंग आदि कार्य सम्मिलित हैं, इस कार्य के पूर्ण होने से गढ़ी विधानसभा क्षेत्र के 25 गांवों के 9 हजार 146 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हेतु अन्तिम छोर तक सुगमता पूर्वक पानी उपलब्ध करवाया जा सकेगा।

झुंझुनूं में बीजेपी जिलाध्यक्ष की नियुक्ति पर बवाल, प्रदेश प्रवक्ता ने उठाए गंभीर सवाल

झुंझुनू। भारतीय जनता पार्टी ने झुंझुनूं में हर्षिनी कुलहरी को जिलाध्यक्ष बनाया है, लेकिन इस नियुक्ति के बाद सियासी तूफान खड़ा हो गया है। इस नियुक्ति को लेकर पार्टी के भीतर विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। सबसे पहले प्रतिक्रिया भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण कुमार जानूं ने फेसबुक पर पोस्ट करके योग्यता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने पार्टी नेतृत्व के फैसले को भी कठघरे में खड़ा किया है।

इस विवाद ने भाजपा में गुटबाजी को और हवा दी है, जबकि विपक्ष ने इसे मौके के रूप में भुनाने की कोशिश की है। कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष अजय तसीड़ ने जानूं की पोस्ट पर तंज कसते हुए कहा कि जिलाध्यक्ष की राड़, भाजपा दो फाड़।

कृष्ण कुमार जानूं ने क्या कहा?

कृष्ण कुमार जानूं ने अपनी फेसबुक पोस्ट में लिखा कि ओमेंद्र चारण, दिनेश धाबाई, विक्रम सैनी, विकास लोटिया, सरजीत चौधरी, योगेंद्र मिश्रा जैसे कार्यकर्ताओं में ऐसी कौन सी कमी थी, जो हर्षिनी कुलहरि में पूरी हो गई? क्या हमें मान लेना चाहिए कि वे सबसे योग्य हैं? अगर महिला कोटे से नियुक्ति होनी थी, तो क्या यही सर्वश्रेष्ठ और योग्यतम कार्यकर्ता थीं?

कृष्ण कुमार जानू की पोस्ट

पूर्व सांसद की बहु है हर्षिनी कुलहरी

बताते चलें कि हर्षिनी कुलहरी पूर्व सांसद नरेंद्र कुमार की पुत्रवधू हैं और जानूं का उनके परिवार के खिलाफ पहले भी बयानबाजी का इतिहास रहा है। इस बार उनकी टिप्पणी ने पार्टी में पहले से मौजूद गुटबाजी को और भड़का दिया है। कुछ नेता हर्षिनी को बधाई दे रहे हैं, लेकिन कई दिग्गज चुप्पी साधे हुए हैं। खासकर मंडावा विधानसभा के कुछ नेताओं ने अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, जो सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

मामला प्रदेश नेतृत्व तक पहुंचा

गौरतलब है कि हर्षिनी की नियुक्ति को 24 घंटे से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। पार्टी सूत्रों का कहना है कि यह मामला प्रदेश नेतृत्व तक पहुंच गया है। जानूं की पोस्ट ने कार्यकर्ताओं में असंतोष को हवा दी है।

लोकजीवन में खुशहाली लाएगा सिंचाई सुविधाओं का विस्तार : सुरेशसिंह रावत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राजस्थान भर में संचालित वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के अन्तर्गत जल संसाधन विभाग द्वारा बांसवाड़ा जिले में गुरुवार को आयोजित कार्यक्रमों में जलसंसाधन मंत्री सुरेशसिंह रावत ने भूमि पूजन कर नहरी तंत्र के जीर्णोद्धार, सुदृढ़ीकरण एवं विस्तार कार्यों की शुरूआत की। जल संसाधन मंत्री ने दायीं मुख्य नहर अन्तर्गत आरडी 64 किमी, गनोड़ा पर आयोजित कार्यक्रम में गनोड़ा, लोहारिया, आसोड़ा और खोडन वितरिका एवं वितरण प्रणाली के जीर्णोद्धार कार्य का भूमि पूजन किया और हरियालो राजस्थान अभियान के अन्तर्गत पेड़ लगाकर वृक्षारोपण गतिविधियों का शुभारंभ किया।

जलसंसाधन मंत्री ने इसके बाद घाटोल के हारो बांध पर आयोजित कार्यक्रम में नरवाली, कटाव, जगपुरा एवं हारो वितरिका एवं वितरण प्रणाली के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया। इस मौके पर जल संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागृति संचार के उद्देश्य से 'पानी रो मान राखो, जीवन रो ध्यान राखो' का संदेश भी दिया गया।

इन दोनों ही भूमि पूजन समारोहों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री सुरेशसिंह रावत ने प्रदेश सरकार के इस अभियान को राजस्थान में बहुआयामी खुशहाली लाने का अभियान बताया। सुरेश सिंह रावत ने कहा जल अमूल्य संसाधन है और इसे संरक्षित करना हम सभी की सर्वोपरि जिम्मेदारी है। प्रदेश सरकार द्वारा इस अभियान के माध्यम से गांव-गांव में जल जागरूकता फैलाकर आगामी पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सिंचाई सुविधाओं के विकास एवं विस्तार के लिए निरन्तर भरसक प्रयासों में जुटी हुई है और इनसे संबंधित कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में गढ़ी विधायक कैलाश मीणा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि गणमान्य उपस्थित रहे।

अभियान की विशेषताएं - प्रदेश भर में 5 जून से जारी यह अभियान 20 जून 2025 तक चलेगा। इसके अन्तर्गत पीएमके एसवाई (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना) और मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के अंतर्गत विभिन्न जल संरक्षण गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इनमें विशेष रूप से जल संरक्षण, सिंचाई क्षमता में वृद्धि और किसानों की उपज में सुधार आदि पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

सार्वजनिक परिवहन में सुधार का प्रयास : शहर में पांच हजार सीएनजी व एलपीजी ऑटो रिक्शा बढ़ाएंगे

यातायात सुधार के होंगे काम

जयपुर। शहर में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में विस्तार के लिए करीब पांच हजार सीएनजी व एलपीजी ऑटो रिक्शाओं का संचालन बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही शहर में अजमेर रोड, दिल्ली रोड, आगरा रोड एवं ओवर ब्रिज पर ई-रिक्शा, ई कार्ट के संचालन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। जेडीए के मंथन सभागार में गुरुवार को आयोजित ट्रेफिक कन्ट्रोल बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जेडीए आयुक्त आनंदी ने बताया कि शहर में बढ़ते यातायात के दबाव को कम करने के लिए व्यवस्तम मार्गो पर आठ से 10 सीटर सीएनजी व एलपीजी ऑटो रिकशाओं के रूट निर्धारित करेंगे। महापुरा से जीवन रेखा अस्पताल एवं सरना डूंगरी औद्योगिक क्षेत्र से मानसरोवर मेट्रो स्टेशन तक, बीलवा चौराहे से खोले के हनुमान जी मंदिर तक 8 से 10 सीटर चौपहिया वाहनों के नवीन मार्ग खोले जाने एवं स्कोप निर्धारण का प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

साथ ही अजमेर रोड पुरानी चुंगी नाका से प्रस्तावित हीरापुरा बस टर्मिनल तक, आगरा रोड घाट की घूणी से 52 फीट हनुमान जी तक, दिल्ली रोड पर रामगढ़ मोड से आमेर घाटी दिल्ली रोड पर, मैट्रो स्टेशन मानसरोवर से 200 फीट बाई पास अजमेर रोड पर एवं शहर के ओवरब्रिज भारत जोड़ो सेतु, अजमेर पुलिया, टोंक रोड पुलिया, गोपालपुरा पुलिया, दुर्गापुरा पुलिया, सांगानेर पुलिया पर शहर के ई-रिक्शा, ई-कार्ट संचालन को पर रोक लगाई है, इन मार्गो पर आठ से दस सीटर सीएनजी व एलपीजी ऑटो रिक्शा चलाएगा जाएंगे। ई रिक्शा, ई कार्ट चालकों को दस दिन की ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

यातायात सुधार के होंगे काम

नगर निगम सीमा क्षेत्र में विस्तार के चलते बैठक में एलपीजी, सीएनजी व डीजल चलित 35000 वाहनों ऑटोरिक्शा स्कोप में पांच हजार सीएनजी, एलपीजी ऑटोरिकशाओं का स्कोप बढ़ाया जाएगा।

इसके साथ शनि मंदिर एमआई रोड, किरण पैलेस अजमेर रोड, 200 फीट चौराहा, अजमेर रोड, सीकर रोड और विद्याधर नगर से पानीपेच तक अमानीशाह नाला रोड, नारायण सिंह सर्किल तिराहा, दिल्ली रोड बजरी मंडी पर यातायात सुधार के लिए काम होंगे।

उन्होंने बताया कि यातायात के सुगम संचालन में टोंक रोड, जेएलएन मार्ग, सांगानेर, मध्यम मार्ग मानसरोवर, अजमेर रोड, एमआई रोड, झोटवाड़ा रोड, सीकर रोड, दिल्ली रोड और चारदीवारी में निगम जेडीए का संयुक्त अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाए जाएंगे।

यह भी हुए निर्णय

बैठक में मानसून के दौरान पानी भराव वाले स्थानों को चिह्नित कर उसका समाधान करने, मल्टी लेवल पार्किंग के लिए जेडीए व निगम भूमि चिह्नित करेगा। हीरापुरा बस टर्मिनल से जल्द शुरू कराया जाएगा। बसों का संचालन, राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर गोनेर पुलिया कोटा से जयपुर आने वाले वाहनों के लिए कमला नेहरू पुलिया की तर्ज पर ओवरब्रिज बनाने, भास्कर पुलिया एवं ओटीएस चौराहे के मध्य पुलिया की चौड़ाई बढ़ाने, ओटीएस चौराहे से केवी 3 तिराहा के मध्य, अंबाबाडी तिराह से अंबाबाड़ी सर्किल तक, खातीपुरा पुलिया से लता सर्किल तक, दूध मंडी से संजय सर्किल तक एवं मालवीय नगर पुलिया पर रोड मीडियन बनाने, रेलवे जंक्शन जयपुर से डीआरएम ऑफिस तक 6 मीटर सड़क चौड़ाई बढ़ाने के लिए रेलवे को पत्र लिखा जाएगा। आगरा रोड और अजमेर रोड पर सीजर यार्ड के लिए दो हजार वर्गमीटर, टोंक रोड पर सीजर यार्ड के लिए तीन हजार वर्गमीटर भूमि चिन्हित की गई है। बैठक में ई रिक्शा द्वारा क्यूआर कोड का उल्लघंन कर एक जोन से दूसरे जोन में जाने पर पांच हजार रुपए जुर्माना लगाने, लालनिवास नारायण सिंह सर्किल को नो पार्किंग जोन घोषित किया गया।

थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस होगा महंगा, प्रीमियम में हो सकती है 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय थर्ड पार्टी मोटर बीमा के प्रीमियम बढ़ाने पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, बीमा प्रीमियम में औसतन 10 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। कुछ नुकसान वाले क्षेत्रों जैसे कि कमर्शियल वाहनों के लिए यह वृद्धि अधिक हो सकती है। स्कूल बसों जैसी श्रेणियों के लिए, वृद्धि कम या बिल्कुल नहीं हो सकती है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार एक सूत्र ने बताया कि मंत्रालय और बीमा नियामक के बीच थर्ड पार्टी मोटर दरों को बढ़ाने के लिए बातचीत फिर से शुरू हो गई है।

बीमा कंपनियों ने सरकार और नियामक को पत्र लिखकर अप्रैल 2025 से 5 से 15 प्रतिशत की वृद्धि करने का अनुरोध किया था। उनका कहना था कि अदालती फैसलों, तत्काल दावों के भुगतान और महामारी के दौरान दावों के गलत चक्र के कारण दबाव बढ़ रहा है। एक वरिष्ठ उद्योग अधिकारी ने कहा कि दुर्घटना वर्ष के आधार पर, मोटर थर्ड पार्टी सेगमेंट में लगातार नुकसान हो रहा है। इसमें बड़ी वृद्धि की आवश्यकता है।

थर्ड पार्टी मोटर कवर अनिवार्य- मोटर वाहन अधिनियम के तहत थर्ड पार्टी मोटर कवर अनिवार्य है। इसके प्रीमियम की दरों को हर साल पुराने दावों के आंकड़ों के आधार पर संशोधित किया जाता है। मंत्रालय को बीमा नियामक के साथ परामर्श करके थर्ड पार्टी प्रीमियम के संबंध में आधार प्रीमियम और बीमाकर्ता की देनदारी निर्धारित करने का अधिकार है।

भारत में बनेंगे लीप इंजन के टर्बाइन फोर्ज्ड पार्ट्स; बंगलूरू में होगा निर्माण

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. (एचएएल) ने फ्रांस की इंजन निर्माता सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन के साथ एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत एचएएल भारत में लीडिंग एज एविएशन प्रोपल्शन (लीप) इंजन के लिए महत्वपूर्ण टर्बाइन फोर्ज्ड पार्ट्स का निर्माण करेगा और सफ्रान को सप्लाई करेगा। ये पार्ट्स, एयरबस ए-320 नियो और बोइंग-737 मैक्स जैसे विमानों में इस्तेमाल होने

वाले इंजन के लिए होंगे। इस साझेदारी से भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' नीति को बढ़ावा मिलेगा। एचएएल के बयान के अनुसार, इस समझौते को फ्रांस के ले-बॉरगेट में 55वें पेरिस एयरशो में अंतिम रूप दिया गया। समझौते पर एचएएल के एलसीए डिवीजन के महाप्रबंधक अब्दुल सलाम और सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन के उपाध्यक्ष (खरीद) डोमिनिक डुप्यू ने हस्ताक्षर किए। यह समझौता दोनों कंपनियों के बीच अक्तूबर 2023 और फरवरी 2025 में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन का विस्तार है। एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डीके सुनील ने कहा, यह दीर्घकालिक साझेदारी अब उन्नत चरण में पहुंच रही है। हमें लीप इंजन की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में योगदान देने पर गर्व है। वहीं, डोमिनिक डुप्यू ने कहा, एचएएल हमारी वैश्विक सोर्सिंग रणनीति में एक प्रमुख भागीदार बना हुआ है। यह समझौता भारत में हमारी औद्योगिक उपस्थिति, तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजार के लिए लीप इंजनों के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा।

बंगलूरू में होगा निर्माण हैदराबाद में रखरखाव केंद्र- इस अनुबंध के तहत हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, बंगलूरू स्थित अपनी अत्याधुनिक रिंग रोलिंग सुविधा में लीप इंजन के लिए फोर्ज्ड पार्ट्स बनाएगा, जिससे वैश्विक एयरलाइंस की बढ़ती मांग पूरी की जाएगी। सफ्रान एयरक्राफ्ट इंजन भारत में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है।

पावरफुल इंडिया: चीन-यूएस के बाद बिजली उत्पादन में दुनिया में सबसे आगे निकला भारत

स्वच्छ ऊर्जा बनी भारत की बड़ी ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत पिछले पांच वर्षों में बिजली उत्पादन क्षमता के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। बिजली उत्पादन वृद्धि में अब सिर्फ अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में कई कारणों से बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है। इनमें वाणिज्यिक एवं आवासीय स्थानों का विस्तार, एयर कंडीशनर (एसी) व अन्य घरेलू उपकरणों के इस्तेमाल में वृद्धि और उद्योगों की बढ़ती मांग शामिल है। इस मांग को पूरा करने के लिए भारत में सभी ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन बढ़ाया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली उत्पादन के इस विस्तार का प्रमुख चालक अक्षय ऊर्जा की ओर मजबूत झुकाव है, क्योंकि स्वच्छ ऊर्जा और विशेष रूप से सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) परियोजनाओं में बड़े स्तर पर निवेश किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले पांच वर्षों में भारत में गैर-जीवाश्म ऊर्जा परियोजनाओं में किए गए कुल निवेश में सौर पीवी की आधे से अधिक हिस्सेदारी रही। 2024 में भारत के बिजली क्षेत्र में किए गए कुल निवेश का 83 फीसदी हिस्सा स्वच्छ ऊर्जा पहलों पर खर्च किया गया।

निवेश बढ़ाने में सरकारी नीतियों की बड़ी भूमिका

भारत के बिजली क्षेत्र में विदेशी निवेश बढ़ाने में सरकारी नीतियों का अहम योगदान है, जो बिजली उत्पादन (परमाणु ऊर्जा को छोड़कर) और ट्रांसमिशन बुनियादी ढांचे से जुड़े सभी क्षेत्रों में 100 फीसदी एफडीआई की अनुमति देती है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत के ऊर्जा क्षेत्र में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) में पिछले दो वर्षों में गिरावट देखी गई है।

50 लाख टन हरित हाइड्रोजन लक्ष्य पाने के लिए सृजित करनी होगी व्यापक मांग

देश में 2030 तक 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लक्ष्य को पाने के लिए व्यापक स्तर पर मांग सृजित करना महत्वपूर्ण है। बेन एंड कंपनी, उद्योग मंडल सीआईआई और रॉकी माउंटेन इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत रणनीतिक क्षेत्रों के चयन, मिश्रण, सार्वजनिक खरीद का लाभ उठाने और निर्यात अवसरों के साथ तालमेल बिठाकर इस लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। हरित हाइड्रोजन को अपनाने से जुड़े जोखिम से निपटने के लिए कच्चे माल की लागत को कम करने समेत कई उपाय करने होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 तक तेल शोधन संयंत्रों से हरित हाइड्रोजन की मांग 20 लाख टन, उर्वरक क्षेत्र से 9 लाख टन और पाइप वाली प्राकृतिक गैस से एक लाख टन तक पहुंचने की उम्मीद है। निर्यात के मोर्चे पर हरित हाइड्रोजन निर्यात आठ से 11 लाख टन के बीच उत्पन्न हो सकता है।

16 अरब लॉगइन हुए लीक, एपल, गूगल जैसी कंपनियों के ग्राहकों के लिए बढ़ा खतरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। साइबर सिक्योरिटी शोधकर्ताओं ने खुलासा किया है कि 16 अरब लॉगइन क्रेडेंशियल चोरी हुए हैं, जिनमें पासवर्ड भी शामिल हैं। यह तकनीकी इतिहास के सबसे बड़े लीक में से एक बताया जा रहा है। इस डेटा लीक से एपल, गूगल, फेसबुक, गिटहब, टेलीग्राम आदि प्लेटफॉर्म्स की किसी भी ऑनलाइन सेवा में सेंधमारी हो सकती है। यह जानकारी ऐसे समय सामने आई है, जब कई रिपोर्ट में 18 करोड़ रिकॉर्ड वाले रहस्यमयी डेटाबेस की मौजूदगी का पता चला है, जो एक वेब सर्वर पर असुरक्षित रूप से मौजूद है। रिसर्च में पता चला है कि यह एक बहुत बड़े लीक का सिर्फ कुछ हिस्सा हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शोधकर्ताओं ने 30 डेटासेट का पता लगाया है, जिसमें से प्रत्येक में 3.5 अरब रिकॉर्ड हैं। जिसमें सोशल मीडिया और वीपीएन लॉगइन के साथ ही कॉरपोरेट और डेवलेपर प्लेटफॉर्म आदि जानकारी है।

शेयर मार्केट में लिस्ट हुआ ओसवाल पंप्स का आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। ओसवाल पंप्स का आईपीओ शुक्रवार को शेयर बाजार में लिस्ट हो गया। लिस्टिंग पर कंपनी के शेयर 3.26 प्रतिशत प्रीमियम पर खुले। एनएसई पर शेयर 634 रुपये पर लिस्ट हुआ। बीएसई पर यह 632 रुपये पर लिस्ट हुआ। इश्यू प्राइस 614 रुपये था।

ओसवाल पंप्स का आईपीओ 890 करोड़ रुपये का था। इसमें नए शेयर जारी किए गए थे। साथ ही, 497.34 लाख शेयर बिक्री के लिए रखे गए थे। यह आईपीओ कुल 34.42 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

किसने दिखाई ज्यादा दिलचस्पी- क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने आईपीओ बुक कराने में सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखाई। उनका हिस्सा 88.08 गुना सब्सक्राइब हुआ। नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स का हिस्सा 36.70 गुना सब्सक्राइब हुआ। रिटेल कैटेगरी में यह 3.60 गुना रहा। लिस्टिंग से पहले कहा था कि जिन आईपीओ खुलने से पहले ही एंकर निवेशकों को शेयर मिले हैं, वे इसे लंबे निवेशकों ने 416.20 करोड़ रुपये का निवेश कर दिया था।

कैसा होगा शेयर का भविष्य- एक्सपर्ट्स का मानना है कि कंपनी का भविष्य अच्छा है। मेहता इक्विटीज ने कहना है कि ओसवाल पंप्स के पास अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट्स हैं। ये प्रोडक्ट्स खेती, इंडस्ट्री और घरों में पानी के लिए इस्तेमाल होते हैं।

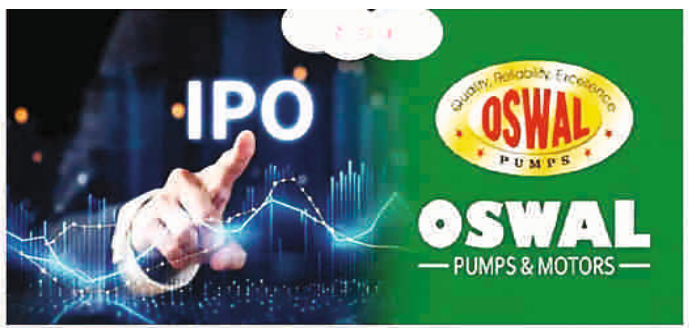

कैसा है कंपनी का कारोबार

ओसवाल पंप्स साल 2003 में शुरू हुई थी। यह कंपनी करनाल में है। कंपनी ने सरकारी योजनाओं के तहत 26,000 से ज्यादा सोलर पंप लगाए हैं। यह 17 देशों में अपने प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट करती है। दिसंबर 2024 में खत्म हुए नौ महीनों में कंपनी ने 1,067 करोड़ रुपये का रेवेन्यू और 216 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। इससे पता चलता है कि कंपनी अच्छा काम कर रही है।

मोबाइल उद्योग ने पांच साल में घटाया 8 फीसदी उत्सर्जन, नेट जीरो लक्ष्य अब भी दूर

नई दिल्ली, एजेंसी। मोबाइल उद्योग ने वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन घटाने की दिशा में अच्छा प्रयास किया है। उद्योग ने 2019 से 2023 के बीच अपने कार्बन उत्सर्जन में 8 फीसदी की कटौती की है। इस अवधि में मोबाइल कनेक्शन में 9 फीसदी और डाटा ट्रैफिक में चार गुना तक की वृद्धि हुई। हालांकि, नेट जीरो लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उद्योग को मौजूदा रफ्तार से दोगुनी तेजी से यानी 2030 तक हर साल औसतन 7.5 फीसदी की दर से कार्बन उत्सर्जन में कटौती करनी होगी।

ग्रुप स्पेशल मोबाइल एसोसिएशन (जीएसएमए) की ताजा रिपोर्ट मोबाइल नेट जीरो-2024 के मुताबिक, डाटा और कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग के बावजूद मोबाइल उद्योग के कार्बन उत्सर्जन में 4.5 फीसदी की अतिरिक्त कमी आई है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह चार फीसदी बढ़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया के सबसे बड़े मोबाइल बाजार चीन ने पहली बार 2024 में कार्बन उत्सर्जन चार फीसदी घटाया है, जबकि 2019 से 2023 के बीच इसमें 7 फीसदी की वृद्धि हुई थी।

वैश्विक हिस्सेदारी और क्षेत्रीय प्रदर्शन

जीएसएमए की क्लाइमेट एक्शन टास्कफोर्स में अब 77 मोबाइल ऑपरेटर शामिल हैं, जिनकी वैश्विक मोबाइल कनेक्शनों में 80 फीसदी हिस्सेदारी है।

क्षेत्रीय स्तर पर यूरोप ने उत्सर्जन में 56 फीसदी, उत्तर अमेरिका ने 44 फीसदी और दक्षिण अमेरिका ने 36 फीसदी तक गिरावट दर्ज की। एशिया और अफ्रीका में भी उत्सर्जन कम करने के प्रयास बढ़ रहे हैं।

टीडी पावर कंपनी को मिला 67 करोड़ का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। टीडी पावर सिस्टम के शेयरों में आज 2.5 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह 67 करोड़ रुपये का काम मिलना है। कंपनी को यह काम मल्टीनेशनल कंपनी से मिला है। इसकी जानकारी टीडी पावर ने एक्सचेंज के साथ साझा किया है। कंपनी ने कहा है कि उन्हें 67 करोड़ रुपये (टैक्स सहित) का एक्सपोर्ट ऑर्डर मिला है। यह एक्सपोर्ट ऑर्डर एक मल्टीनेशनल कॉरपोरेशन से मिला है। कंपनी को जनवरी 2026 से दिसंबर 2027 के बीच इसे एक्सपोर्ट करना है।

टीडी पावर के शेयरों में 2.5 प्रतिशत की तेजी

बीएसई में यह स्टॉक 517.05 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 2.5 प्रतिशत की तेजी के बाद 528.25 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया है। रिटर्न के मामले में इस कंपनी के लिए पिछला एक साल अच्छा रहा है। महज 3 महीने में ही टीडी पावर के शेयरों की कीमतों में 38 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 6 महीने में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को 16 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। बता दें, एक साल में टीडी पावर ने 34 प्रतिशत का रिटर्न अपने निवेशकों को दिया है।

खत्म होने वाला है एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के आईपीओ का इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के आईपीओ का इंतजार कर रहे हैं तो आपके लिए राहत की खबर है। दरअसल, कंपनी सितंबर में अपनी भारतीय इकाई के आईपीओ को लाने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो दक्षिण कोरियाई कंपनी एलजी गर्मियों के बाद अपडेटेड वित्तीय परिणामों के साथ अपने प्रारंभिक प्रॉस्पेक्टस को फिर से दाखिल करने की योजना बना रही है। यह संभवत: चौथी तिमाही की शुरुआत में हो सकता है।

अप्रैल में आईपीओ पर ग्रहण

बता दें कि एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने अप्रैल में आईपीओ की प्रक्रिया को रोक दिया था। इस कंपनी ने बाजार में अस्थिरता के कारण फैसला लिया। कंपनी ने बाद में कहा कि वह बाजार की स्थितियों के आधार पर योजना पर निर्णय लेगी। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड के आईपीओ से 1.7 बिलियन डॉलर तक की रकम जुटाने की उम्मीद थी। तब बताया गया था कि एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स अपने भारतीय परिचालन में 15 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने का इरादा रखती है। डीआरएचपी के अनुसार, कंपनी प्रमोटर के पास ?10 अंकित मूल्य वाले 678,772,392 इक्विटी शेयर हैं। इसमें अजय रामबल, अतुल खन्ना, गुरपिंदरजीत सिंह, कपिल मेहरा, संदीप कुमार और विशाल रस्तोगी भी शामिल हैं जिनके पास कंपनी की हिस्सेदारी है।

प्रतिस्पर्धा के बजाय पूरक अर्थव्यवस्था वाले देशों के साथ व्यापार समझौते करने पर फोकस, पीयूष गोयल का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत उन देशों के साथ व्यापार वार्ता कर रहा है, जिनके साथ उसकी सीधी प्रतिस्पर्धा नहीं है, बल्कि जिनकी अर्थव्यवस्थाएं पूरक बन सकती हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने विज्ञान संग्रहालय में ब्रिटेन-भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सहयोग पर आयोजित एक सत्र को संबोधित करते हुए व्यापार समझौतों से खुलने वाले द्विपक्षीय और व्यापक वैश्विक अवसरों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, हमारा ध्यान विकसित देशों के साथ मजबूत व्यापार समझौते करने पर है। उन्होंने अपने संबोधन में ब्रिटेन-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के साथ ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के साथ किए गए व्यापार समझौतों का भी उल्लेख किया। गोयल ने कहा कि 15 साल पहले जब उनकी पार्टी की सरकार सत्ता में नहीं आई थी, तब भारत प्रतिस्पर्धी देशों के साथ व्यापार समझौते करने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा था। उन्होंने कहा, यह वाकई में मूर्खतापूर्ण है, क्योंकि यह मेरे बाजार को मेरे प्रतिस्पर्धियों के लिए खोल रहा है, जिनमें से कई अब चीन की बी टीम बन गए हैं।

इंडिया ग्लोबल फोरम को किया संबोधित- इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इंडिया ग्लोबल फोरम में अपने संबोधन कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत यूनाइटेड किंगडम की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस समय पूरी दुनिया संकटों और चुनौतियों से भरी है। फिर भी भारत स्थिरता, तेज विकास के दौर में है।

दो दिवसीय ब्रिटेन दौर पर पीयूष गोयल - केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल दो दिवसीय ब्रिटेन दौर पर हैं। वहां उन्होंने ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया और खेल मंत्री लिसा नंदी से मुलाकात की। इसे लेकर उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी और कहा कि लिसा नंदी के साथ अच्छी चर्चा हुई।

पापा को नहीं पता था बेटा ऐसा काम करेगा... सिर्फ 50,000 रुपये से बना डाला 340 करोड़ का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान के एक छोटे से शहर सरदार शहर से ताल्लुक रखने वाले रघुनंदन सराफ ने अपने पर डाल दीं। वह फर्नीचर के लिए एक ऐसी वेबसाइट बनाना पारिवारिक फर्नीचर व्यवसाय को सफल ऑनलाइन मार्केटप्लेस चाहते थे जहां सब कुछ मिल जाए। इनसराफ में बदल दिया है। इस बिजनेस का टर्नओवर अब 340 करोड़ रुपये है। रघुनंदन ने डिजिटल कॉमर्स की ताकत का इस्तेमाल करके सराफ फर्नीचर को आगे बढ़ाया। यह ब्रांड 40 साल पहले एक छोटी सी वर्कशॉप और शो रूम के तौर पर शुरू हुआ था। रघुनंदन ने 2014 में सिर्फ 50,000 रुपये से इनसराफ की शुरुआत की थी। आइए, यहां रघुनंदन सराफ की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

- **सिर्फ 50,000 रुपये से की शुरुआत-** रघुनंदन सराफ के पिता और चाचा ने मिलकर सराफ फर्नीचर की शुरुआत की थी। पहले वे भारत के अलग-अलग हिस्सों में फर्नीचर बेचते थे। 1998 तक उन्होंने एक्सपोर्ट करना भी शुरू कर दिया था। वे सरदारशहर की एक छोटी सी दुकान से अपना कारोबार चलाते थे। वह दुकान आज भी चल रही है। 2014 में रघुनंदन ने ऑनलाइन बिक्री शुरू करके बिजनेस को पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने सिर्फ 50,000 रुपये लगाकर वेबसाइट बनाई और ऑनलाइन बिजनेस शुरू किया। शुरुआत में उन्हें कई दिक्कतें आई। उनके पास अच्छा सामान था और वह सस्ता भी
- **पिता को नहीं था बहुत यकीन -** रघुनंदन के पिता को ऑनलाइन बिजनेस के बारे में थोड़ा शक था। लेकिन, रघुनंदन ने उन्हें बिजनेस के बारे में समझाया और बताया कि इससे कितना फायदा हो सकता है। उन्होंने यह बिजनेस सही समय और सही जगह पर शुरू किया। उसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इनसराफ शीशम की लकड़ी के फर्नीचर बनाती है। उनके पास घर को सजाने और फर्नीचर का बहुत सारा सामान है। 2017 में इनसराफ ने लैंप और झूमर भी बेचना शुरू कर दिया। उसके मुख्य प्रोडक्ट फर्नीचर, लाइटिंग, रग और कालीन हैं। कंपनी लकड़ी के बेड, साइड टेबल, बार कैबिनेट, साइडबोर्ड, किचन कैबिनेट, सोफा सेट, कॉफी टेबल, डेस्क, बुकशेल्फ, बॉक्स, कंसोल, टेबल, ड्रेसर, गार्डन फर्नीचर, होम टेम्पल, मिरर, टीवी यूनिट और वार्डरोब भी बेचती है। इनसराफ ने बेंगलुरु, हैदराबाद, सूरत और दिल्ली में एक्सपीरियंस सेंटर भी खोले हैं। यहां ग्राहक फर्नीचर को देख और महसूस कर सकते हैं।
- **शुरुआत नहीं थी आसान-** रघुनंदन सराफ का सफर आसान नहीं था। सरदारशहर एक छोटा शहर होने के कारण वहां लॉजिस्टिक्स की अच्छी सुविधा नहीं थी। उन्होंने लॉजिस्टिक्स कंपनियों को वहां से काम शुरू करने के लिए मनाया। उन्हें भरोसा दिलाया कि उनका बिजनेस अच्छा चलेगा। लॉजिस्टिक्स को ठीक से चलाने में उन्हें काफी समय और मेहनत लगी। एक और मुश्किल काम था ऑनलाइन ऑर्डर, बिक्री और फर्नीचर को सुरक्षित तरीके से भेजने के लिए सही टीम बनाना। जब वेबसाइट शुरू हुई तो रघुनंदन ने लगभग 2,500 प्रोडक्ट डाले थे। अब उनकी वेबसाइट पर 6,000 से ज्यादा प्रोडक्ट हैं।

ये है बिजनेस मॉडल

रघुनंदन अपने फर्नीचर सरदारशहर में ही बनाते हैं। सरदारशहर में उनकी फैक्ट्री, वेयरहाउस और हेड ऑफिस 2.5 लाख वर्ग फीट में है। सारे सामान सरदारशहर से ही भेजे जाते हैं। उनके चार सब-वेयरहाउस बेंगलुरु, हैदराबाद, सूरत और दिल्ली में हैं। इनसराफ दो तरह से बिजनेस करती है। पहला है डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर मॉडल। इसमें वेबसाइट के जरिए सीधे ग्राहकों को फर्नीचर बेचे जाते हैं। दूसरा मॉडल है बिजनेस-टू-बिजनेस। इसमें होटल और रिसॉर्ट को फर्नीचर सप्लाई होते हैं। हयात उनके बड़े ग्राहकों में से एक है। उनका ज्यादातर बिजनेस दक्षिण भारत से आता है। इनसराफ अभी लगभग 6000 प्रोडक्ट बेचती है। रघुनंदन ने सरदारशहर के एक लोकल स्कूल में कक्षा छह तक पढ़ाई की। कक्षा सात से वह जयपुर के स्थान इंटरनेशनल स्कूल चले गए। 2004 में उन्होंने वहां से 12वीं कक्षा पास की। फिर उन्होंने दिल्ली के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से बीकॉम किया। 2009 में उन्होंने ग्लोबल बिजनेस ऑपरेशंस में एमबीए किया। रघुनंदन आज भी अपने परिवार के साथ सरदारशहर में रहते हैं। रघुनंदन ने इनसराफ में कर्मचारियों के लिए अच्छी पॉलिसी बनाई हैं। रघुनंदन सराफ युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। उनकी कहानी हमें सिखाती है कि हम भी अपने जीवन में कुछ भी हासिल कर सकते हैं अगर हम कड़ी मेहनत करें और कभी हार न मानें।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्टः

लंच ब्रेक तक भारत का स्कोर 92/2

लीड्स, एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच आज लीड्स में पहले टेस्ट की शुरुआत हो चुकी है। भारतीय टीम इस दौरे की शानदार शुरुआत करने के इरादे से उतरी है। रोहित-कोहली की अनुपस्थिति में गिल की अगुआई वाली भारतीय टीम के सामने इंग्लैंड की कठिन चुनौती है। भारतीय टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन लंच तक दो विकेट गंवा दिए हैं।

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी और पहले विकेट के लिए 91 रनों की साझेदारी की थी। इस साझेदारी को ब्रायडन कार्स ने केएल को आउट कर तोड़ा। राहुल के आउट होने के बाद साई सुदर्शन क्रीज पर उतरे। सुदर्शन ने इस मैच से डेब्यू किया है, लेकिन पहली पारी में वह असफल रहे और खाता खोले बिना आउट हुए। भारत ने लंच ब्रेक तक दो विकेट पर 92 रन बनाए हैं। फिलहाल यशस्वी जायसवाल 74 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 42 रन बनाकर खेल रहे हैं।

इंग्लैंड के लिए अब तक कार्स और स्टोक्स ने एक-एक सफलता हासिल की है। अच्छी शुरुआत के बाद भारत को एक रन के अंतराल पर दूसरा झटका लग गया है। पहले केएल राहुल पवेलियन लौटे और अब डेब्यू मैच खेल रहे साई सुदर्शन खाता खोले बिना आउट हुए। बेन स्टोक्स की गेंद पर सुदर्शन विकेट के पीछे कैच थमा बैठे। भारतीय टीम को केएल राहुल के रूप में पहला झटका लगा है। यशस्वी और राहुल के बीच अच्छी साझेदारी पनप रही थी और दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 91 रन जोड़ लिए थे, लेकिन ब्रायन कार्स ने केएल को आउट कर साझेदारी को तोड़ा और इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। राहुल अर्धशतक लगाने के करीब थी, लेकिन 78 गेंदों पर आठ चौकों की मदद से 42 रन बनाकर आउट हो गए।

हाले ओपन टूर्नामेंट

हाले ओपन टूर्नामेंट में उलटफेर वर्ल्ड नंबर-1 सिनर को 45वीं रैंक एलेक्जेंडर बब्लिक ने हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बब्लिक ने हाले ग्रास टूर्नामेंट में एक बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा चैंपियन जैनिक सिनर को हरा दिया। वर्ल्ड के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर को 45वीं रैंकिंग वाले बब्लिक ने 6-3, 3-6, 6-4 से मात दी। समर 2023 के बाद यह पहला मौका है जब सिनर को टॉप-20 से बाहर के किसी खिलाड़ी ने हराया है।

सिनर ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में बब्लिक को केवल छह गेम में हराया था, लेकिन इस बार बब्लिक ने शानदार प्रदर्शन किया। अब तक दोनों 6 बार एक-दूसरे का आमना-सामना कर चुके हैं। बब्लिक ने कहा, हम टेनिस खिलाड़ी हर मैच जीतने की कोशिश करते हैं, लेकिन यह जीत खास है। मैंने पहली बार नंबर एक खिलाड़ी को हराया।

बब्लिक अब क्वार्टर फाइनल में चेक गणराज्य के टॉमस मचाक से भिड़ेंगे, जिन्होंने हंगरी के फैबियन मारोजसान को 6-2, 6-3 से हराया। वर्ल्ड के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर को 45वीं रैंकिंग वाले बब्लिक ने 6-3, 3-6, 6-4 से मात दी. वर्ल्ड के नंबर-1 खिलाड़ी सिनर को 45वीं रैंकिंग वाले बब्लिक ने 6-3, 3-6, 6-4 से मात दी

एलेक्जेंडर ज्वेरेव क्वार्टर फाइनल में पहुंचेः वर्ल्ड नंबर-3 एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के लोरेंजो सोनेगो को तीन सेटों में 3-6, 6-4, 7-6 (7/2) से हराकर क्वार्टर फाइनल प्रवेश किया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ अपनी पांचवीं जीत हासिल की।

पहला सेट हारने के बाद ज्वेरेव ने दूसरे सेट में वापसी की और तीसरे सेट के टाईब्रेक में दबदबा बनाया। अब उनका मुकाबला इटली के फ्लावियो कोबोली से होगा।

एक अन्य मैच में, अर्जेंटीना के 63वें रैंक के टॉमस मार्टिन एचेवेरी ने चौथी वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव को तीन घंटे के कड़े मुकाबले में 6-3, 6-7 (4/7), 7-6 (8/6) से हराया। एचेवेरी ने अंतिम सेट के टाईब्रेक में दो मैच पॉइंट बचाए और अब क्वार्टर फाइनल में रूस के करेन खाचानोव से खेलेंगे।

डब्ल्यूबीबीएल में इस साल भी ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलेंगी जेमिमाह रॉड्रिग्स

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज जेमिमाह रॉड्रिग्स महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 2025 ड्राफ्ट में चुनी गई एकमात्र भारतीय हैं। उन्हें उनकी पुरानी टीम ब्रिस्बेन हीट ने रिटेन किया है। गुरुवार को हुए डब्ल्यूबीबीएल ड्राफ्ट के दौरान उन्हें मेलबर्न स्टार्स ने अपनी पहली पसंद के रूप में चुना था, लेकिन हीट ने रिटेंशन का उपयोग कर उन्हें अपने साथ बनाए रखा। पिछले साल हीट के लिए खेलते हुए जेमिमाह ने 10 पारियों में 33 की औसत और 139 के स्ट्राइक रेट से एक अर्धशतक के साथ कुल 267 रन बनाए थे। पिछले सीजन हीट फाइनल तक पहुंची थी और बारिश से प्रभावित फाइनल में मेलबर्न रेनेगेड्स से हारकर उपविजेता बनी थी।

यह रॉड्रिग्स का चौथा डब्ल्यूबीबीएल सीजन होगा। इससे पहले वह 2021-22 में रेनेगेड्स और 2022-23 में स्टार्स की तरफ से खेल चुकी हैं। कुल मिलकर उन्होंने इस लीग में 30 मैच की 28 पारियों में 26 को औसत और 121 के स्ट्राइक रेट से 644 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। रॉड्रिग्स के अलावा कुल 15 भारतीय डब्ल्यूबीबीएल और बीबीएल की ड्राफ्ट प्रक्रिया में शामिल थे।

इसमें भारतीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल के अलावा यास्तिका भाटिया, शिखा पांडे, कनिका आहुजा, उमा छेत्री, सलोनी डांगोरे, अमरपाल कौर ढिल्लन, काश्वी गौतम, प्रिया मिश्रा, श्रेयंका पाटिल, निक्की प्रसाद, प्रतिका रावल, अरुंधति रेड्डी, एस मेघना, राधा यादव जैसे नाम शामिल थे। हालांकि इसमें से किसी का भी किस्मत का पिटारा नहीं खुल पाया।

ऑस्ट्रेलिया- वेस्टइंडीजः

मार्नस लाबुशेन पर गिरी गाज, वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट से ड्रॉप, स्मिथ भी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट टीम वेस्ट इंडीज खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2027 के नए चक्र की शुरुआत करने जा रही है, लेकिन इस बार उनकी टीम में कुछ बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे।

अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ चोट के कारण पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं, वहीं हाल के समय में खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को भी टीम से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। उनकी जगह जोश इंगलिस और सैम कोन्सटास को मौका दिया गया है, जो बारबाडोस में 25 जून से शुरू होने वाले पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की नई बल्लेबाजी लाइन-अप का हिस्सा होंगे।

स्मिथ की चोटः

स्टीव स्मिथ, जो ऑस्ट्रेलिया के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान उंगली में लगी चोट के कारण अभी पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने बताया, स्टीव की उंगली का घाव अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुआ है। हम उन्हें एक हफ्ते और आराम दे रहे हैं और इसके बाद उनकी स्थिति का आकलन करेंगे। उम्मीद है कि स्मिथ 3 जुलाई से ग्रेनाडा में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट तक वापसी कर सकते हैं।

लाबुशेन का खराब फॉर्मः

वहीं, मार्नस लाबुशेन पिछले दो सालों से टेस्ट क्रिकेट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हाल ही में लॉर्ड्स में खेले गए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में उन्हें ओपनिंग की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन वह दोनों पारियों में क्रमशः 17 और 22 रन ही बना सके। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस हार के बाद चयनकर्ताओं ने कड़ा फैसला लेते हुए उन्हें पहले टेस्ट से बाहर कर दिया।

हालांकि, बेली ने लाबुशेन का हौसला बढ़ाते हुए कहा, मार्नस जब अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होता है, तो वह इस टीम का अहम हिस्सा है। हम उनके साथ उनके खेल के उन पहलुओं पर काम करेंगे, जिनमें सुधार की जरूरत है। हमें उनकी काबिलियत पर पूरा भरोसा है। ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में कप्तान पैट कमिंस के नेतृत्व में कई अनुभवी और युवा खिलाड़ी शामिल हैं।

टीम इस प्रकार हैः

पैट कमिंस (कप्तान), सैम कोन्स्टास, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरून ग्रीन, स्टीव स्मिथ, जोश इंगलिस, ट्रैविस हेड, एलेक्स कैरी, ब्यू वेबस्टर, मिशेल स्टार्क, सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन, मैट कुह्नमैन।

वहीं, वेस्टइंडीज की टीम रोस्टन चेज की कप्तानी में उतरेगी। उनकी टीम में क्रेग ब्रैथवेट, मिकाइल लुई, ब्रैंडन किंग, जॉन कैंपबेल, शाई होप, टेविन इमलाच, जस्टिन ग्रीव्स, कीसी कार्टी, जोमेल वारिकन, केव्लोन एंडरसन, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, जोहान लेन, एंडरसन फिलिप और जेडन सील्स शामिल हैं।

सितंबर में संन्यास लूंगीः पेत्रा क्वितोवा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्वितोवा ने कहा, मैं एक बार फिर विंबलडन चैंपियनशिप खेलने के लिए रोमांचित हूं जहां मेरे करियर की खुशगवार यादें हैं। मैं अपना करियर न्यूयॉर्क में अमेरिकी ओपन (अगस्त-सितंबर) में खेलकर करने की इच्छा रखती हूं। दो बार की विंबलडन चैंपियन पेत्रा क्वितोवा ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि उनकी योजना कुछ महीनों के अंदर संन्यास लेने की है।

चेक गणराज्य की इस खिलाड़ी को 30 जून से शुरू होने वाले विंबलडन के लिए बुधवार को वाइल्ड कार्ड दिया गया था। क्वितोवा ने कहा, मैं एक बार फिर विंबलडन चैंपियनशिप खेलने के लिए रोमांचित हूं जहां मेरे करियर की खुशगवार यादें हैं। मैं अपना करियर न्यूयॉर्क में अमेरिकी ओपन (अगस्त-सितंबर) में खेलकर खत्म करने की इच्छा रखती हूं।

टेनिसः

सरकारी लाभ लेने वाले टेनिस खिलाड़ियों को अब देश के लिए खेलने से इनकार करना पड़ेगा भारी, साई वसूलेगा रकम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के नए आदेश के अनुसार विभिन्न योजनाओं के जरिये वित्तीय मदद हासिल करने वाले देश के टेनिस खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में खेलने को प्राथमिकता देनी चाहिए। यदि वे बिना किसी 'वैध स्पष्टीकरण' के खेलने से इनकार करते हैं तो उनसे धनराशि वसूल की जाएगी। खिलाड़ियों को प्राप्त धनराशि के लिए जवाबदेह बनाते हुए साई ने अपने आदेश में 'टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप' (टीएजीजी) के अंतर्गत मदद के लिए चुने गए खिलाड़ियों को लिखित में देने को कहा है, जिसमें वे स्वीकार करें कि वित्तीय मदद हासिल करना देश के खेल उत्कृष्टता में योगदान देने की जिम्मेदारी है।

यह मामला तब चर्चा में आया जब टीएजीजी में शामिल करने के लिए खिलाड़ियों के नामों पर चर्चा की गई। साई ने अपने आदेश में टॉप्स, एनएसएफ (राष्ट्रीय खेल महासंघ) और टीएजीजी योजनाओं के अंतर्गत मदद हासिल करने वाले खिलाड़ियों से बिली जीन किंग कप, डेविस कप, एशियाई खेल और ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उनकी उपलबधता और इच्छा की पुष्टि करने को कहा है। साई के आदेश के अनुसार, 'ये टेनिस प्रतियोगिताएं राष्ट्रीय गौरव के लिए अहमियत रखती हैं, इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि वित्तीय मदद हासिल करने वाले सभी खिलाड़ियों को अगर अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) द्वारा चुना जाता है तो वे भारत का प्रतिनिधित्व करने को प्राथमिकता दें।' इसमें कहा गया है, 'हम आपको यह भी सूचित करना चाहेंगे कि एनएसएफ द्वारा चयन की स्थिति में अगर आप बिना किसी वैध स्पष्टीकरण के इन टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला करते हैं तो आज तक दी गई वित्तीय मदद लागू दिशानिर्देशों के अनुसार वसूली के अधीन होगी।' 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' (टॉप्स) की तर्ज पर जापान में 2026 एशियाई खेलों में भारत की पदक तालिका में इजाफा करने के उद्देश्य से टीएजीजी को इस साल अप्रैल में लांच किया गया था। बीते समय में ऐसे कई उदाहरण हैं, जब खिलाड़ियों ने डेविस कप खेलने से इनकार कर दिया था।

शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल ने पाकिस्तान (2024) की यात्रा नहीं करने का फैसला किया, जबकि उन्होंने स्वीडन (2024) और टोगो (2025) के खिलाफ मुकाबलों में भी हिस्सा नहीं लिया था। शशिकुमार मुकुंद ने भी पाकिस्तान और स्वीडन के मुकाबलों से नाम वापस ले लिया था, लेकिन वह इस साल फरवरी में नई दिल्ली में टोगो के खिलाफ मुकाबले के लिए राष्ट्रीय टीम में लौट आए थे।

युकी भांबरी ने भी स्वीडन और टोगो के खिलाफ होने वाले मुकाबलों के लिए खुद को अनुपलब्ध बताया था। पता चला है कि नागल, भांबरी, रामकुमार रामनाथन, एन श्रीराम बालाजी, साकेत मायनेनी और रित्विक बोलीपल्ली को टीएजीजी में शामिल किया गया है। महिलाओं में शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी श्रीवल्ली भामीदिपति, सहजा यमलापल्ली, वैदेही चौधरी, ऋतुजा भोसले और युवा खिलाड़ी माया राजेश्वरन को भी इस योजना में शामिल किया गया है।

जॉन सीना के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी

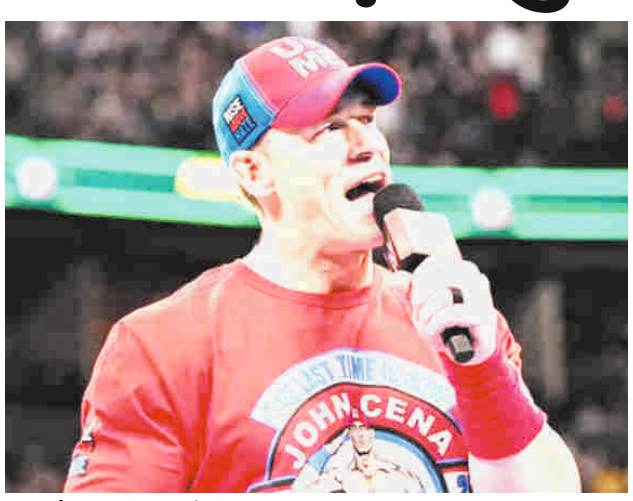

नई दिल्ली, एजेंसी। जॉन सीना के फैंस के लिए एक बड़ी खबर है। डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन में जॉन सीना का फेयरवेल टूर होने वाला है। सात साल बाद न्यूर्क में डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन का पहला शो होगा। जॉन सीना इस शो में आर-ट्रुथ/रॉन किलिंग्स से मुकाबला करेंगे। वह अगले हफ्ते स्मैकडाउन में भी दिखेंगे। इसके बाद सऊदी अरब में सीएम पंक के खिलाफ डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप का बचाव करेंगे। पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टार मैथ्यू रेहवोल्ट का मानना है कि सामी जेन, जॉन सीना को हरा सकते हैं। यह शो समरस्लैम से एक रात पहले, 1 अगस्त को होगा। प्रूडेंशियल सेंटर न एक्स पर बताया कि वे सात साल बाद स्मैकडाउन की मेजबानी करेंगे।

जॉन सीना इस शो में दिखाई देंगे। यह शो 1 अगस्त को होगा, जो समर स्लैम से पहले की रात है। प्रूडेंशियल सेंटर ने ट्वीट किया, 7 साल में पहली बार, डब्ल्यूडब्ल्यूई स्मैकडाउन समरस्लैम से पहले न्यूर्क में वापस आ रहा है। जॉन सीना का द लास्ट टाइम इज नाउ टूर और डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े सुपरस्टार्स के साथ नॉनस्टॉप एक्शन होगा! टिकट शुक्रवार, 27 जून को सुबह 10 बजे से बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

मेस्सी का फ्री किक पर गोल

इंटर मियामी ने दो बार के यूरोपीय चैंपियन को हराया

अटलांटा (अमेरिका), एजेंसी। स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना पहला गोल फ्री किक पर किया जिससे इंटर मियामी ने दो बार के यूरोपीय चैंपियन पोर्टो पर 2-1 से जीत हासिल की।

इंटर मियामी की टीम मध्यांतर तक 1-0 से पीछे थी, लेकिन टेलास्को सेगोविया ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद मार्सेलो वीगन्डट के क्रॉस पर गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद अर्जेंटीना के 37 वर्ष के खिलाड़ी मेस्सी का जादू देखने को मिला। उन्होंने फ्री किक पर खूबसूरत गोल करके फिर से यह साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया के सबसे महानतम खिलाड़ियों में क्यों गिना जाता है। इससे पहले पुर्तगाल के क्लब को वीडियो समीक्षा प्रणाली के जरिए शुरू से ही पेनल्टी किक मिली जिसे सामू ओमोरोदियन ने गोल में बदला। इन दोनों टीमों ने ग्रुप ए का अपना पहला मैच गोलरहित बराबर खेला था।

पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन को मिली बड़ी जिम्मेदारी, ऑस्ट्रेलिया ए पुरुष टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। इस सीरीज की शुरुआत 4 जुलाई से डार्विन में श्रीलंका ए के खिलाफ सीरीज से होगी।

डार्विन में श्रीलंका ए के खिलाफ सीरीज के ऑस्ट्रेलिया ए के कोचिंग समूह में टिम पेन के साथ राष्ट्रीय तेज गेंदबाजी कोच एडम ग्रिफिथ, ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम के सहायक कोच स्कॉट प्रेस्टिज, और नॉर्दर्न टेरिटरी क्रिकेट के पाथवे डेवलपमेंट कोच ट्रेंट कीप शामिल होंगे। राष्ट्रीय टीमों के सीए कार्यकारी महाप्रबंधक बेन ओलिवर ने टिम पेन के ऑस्ट्रेलिया ए के मुख्य कोच के रूप में नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि टिम पिछले दो वर्षों से राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं और अब इस

भूमिका में भविष्य के ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों को निखारने के लिए अपने पेशेवर और आधुनिक कोचिंग अनुभव का उपयोग करेंगे। टिम का समृद्ध खेल और कोचिंग अनुभव उभरते खिलाड़ियों को अगले स्तर तक ले जाने में महत्वपूर्ण होगा। पेन ने 2009 और 2021 के बीच राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था।

वह ऑस्ट्रेलिया ए और एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए अपनी कोचिंग प्रतिबद्धताओं के अलावा आगामी सत्र में ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम को कोचिंग सहायता प्रदान करना जारी रखेंगे। उन्होंने पिछले दो वर्षों के दौरान ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम और ऑस्ट्रेलिया ए पुरुष कार्यक्रम के साथ सहायक क्षमता में काम किया है और गत दिसंबर में भारत के खिलाफ पीएम इलेवन को कोचिंग दी थी। इस बीच, गैर-अनुबंधित बाएं हाथ के स्पिनर जेडेन जेह को भी डार्विन में श्रीलंका के खिलाफ मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए की टीम में शामिल किया गया है।

कांग्रेस को 1975 के आपातकाल के लिए माफी मांगनी चाहिए: पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू

हैदराबाद (एजन्सी),

कांग्रेस सरकार द्वारा 1975 में आपातकाल लगाए जाने को 'कठोर उपाय' करार देते हुए पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि इस सबसे पुरानी पार्टी को उस अवधि के दौरान नागरिक स्वतंत्रता में कटौती के लिए लोगों से माफी मांगनी चाहिए।पीटीआई को दिए एक विशेष साक्षात्कार में, वेंकैया नायडू, जो आपातकाल के दौरान विशाखापत्तनम में आंध्र विश्वविद्यालय में कानून की पढ़ाई करते हुए एक छात्र संघ के नेता थे, ने कहा कि तत्कालीन सरकार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए उन्हें लगभग डेढ़ साल जेल में बिताने पड़े। "यह एक कठोर उपाय था। उन्हें (कांग्रेस को) इसके लिए माफी मांगनी चाहिए थी। उन्हें इसका

पछतावा होना चाहिए था। लेकिन कांग्रेस ने कभी पश्चाताप नहीं किया या लोगों से माफी नहीं मांगी। लेकिन उन्हें आपातकाल लगाने का पछतावा होना चाहिए था।

अब, आपातकाल के 50वें वर्ष के अवसर पर, उन्हें सार्वजनिक रूप से खेद व्यक्त करना चाहिए," नायडू ने कहा। वेंकैया नायडू ने कहा, "मुझे लगता है कि उन्हें आपातकाल लगाने, नागरिक स्वतंत्रता को सीमित करने और प्रेस सेंसरशिप लगाने के लिए लोगों से माफ़ी मांगनी चाहिए।

साथ ही, सभी नागरिक स्वतंत्रताएं छीन ली गईं। विरोध करने का अधिकार भी छीन लिया गया।" आपातकाल की घोषणा 25 जून, 1975 को की गई थी और इसे 21 मार्च, 1977 को हटा लिया गया था। पूर्व उपराष्ट्रपति ने कहा कि आपातकाल के दौरान हर अखबार पर सेंसरशिप लगा दी गई थी और प्रेस काउंसिल एक्ट में भी संशोधन किया गया था। अपनी यादों को ताज़ा करते हुए नायडू ने कहा कि छात्र संघ के अध्यक्ष की हैसियत से उन्होंने जयप्रकाश नारायण को छात्रों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया था, जिसके लिए उन्हें मीसा (आंतरिक सुरक्षा अधिनियम) के तहत गिरफ़्तार किया गया था।

उन्होंने आगे कहा कि उन्हें आरएसएस के सूत्रों से संदेश मिला कि आपातकाल लागू होने के कारण उन्हें गिरफ़्तार किए जाने की संभावना है, जिसके कारण उन्हें विशाखापत्तनम छोड़ना पड़ा और ढाई महीने तक भूमिगत रहना पड़ा, वेश बदलकर अलग-अलग जगहों पर जाना पड़ा। अंततः उन्हें सितम्बर 1975 में विजयवाड़ा से गुंटूर जाते समय गिरफ्तार कर लिया गया और विशाखापत्तनम की केन्द्रीय जेल तथा बाद में हैदराबाद भेज दिया गया।

22 जून को अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा 190 वां निःशुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

हैदराबाद (एजन्सी),

अग्रवाल मानव सेवा मंच के प्रचार -प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी करके जानकारी दी की अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा 190 वां निशुल्क विशाल स्वास्थ्य जांच शिविर दिनांक:22 जून को वनस्थलीपुरम हैदराबाद स्थित गुरुद्वारा अकालसर साहिब में आयोजित होने जा रहा है। इस स्वास्थ्य जांच शिविर के प्रायोजक वन्दना शोपिंग मॉल वनस्थलीपुरम के श्री तुलसी राम बंसल है और स्थानीय सहयोग गुरुद्वारा अकालसर साहिब प्रबंधक कमेटी और अग्रवाल समाज वनस्थलीपुरम का रहेगा। इस जांच शिविर में केयर हॉस्पिटल, मलकपेट हैदराबाद के डाक्टरों द्वारा रक्तचाप,सुगर जांच,ईसीजी, सामान्य रोगों संबंधित, हृदय रोगों से संबंधित,हड्डियों के रोगों से संबंधित महिलाओं से संबंधित, बालरोग से संबंधित रोगियों को सेवा प्रदान की जायेगी।

एलसीएच साधुराम आई हास्पिटल, दमलगुड्डा,हैदराबाद के नेत्र विशेषज्ञो के नेत्र संबंधित रोगीयों को सेवा प्रदान की जायेंगी और जांच के दौरान चिन्हित किए गये मोतियाबिंद के रोगीयों का निःशुल्क आपरेशन संघन परिक्षण के बाद एलसीएच साधुराम आई हास्पिटल दमलगुड्डा हैदराबाद में किया जायेगा। एशियन ईनटी केयर सेंटर बेगमपेट के डॉ छावा अन्जनेयेलू के नेतृत्व में विशेषज्ञो के द्वारा नाक कान गला संबंधित रोगीयों को सेवा प्रदान की जायेगी।

दांतों संबंधित रोगीयों श्री प्रियंका डेंटल क्लिनिक, अबिडस और बेगमपेट, हैदराबाद के डॉ आषीश तोदी के द्वारा सेवा प्रदान की जायेगी। डॉ नेतीज स्कीन हेयर एंड नेल क्लिनिक, पंजा गुट्टा ,हैदराबाद के डॉ. सांई प्रशांत नेती के द्वारा त्वचा संबधती रोगो के निदान हेतु परामर्श दिया जाएगा। बाल गोविन्द राय हेल्थ केयर सेंटर (एक्यूप्रेशर) अत्तापूर के सरदार गोबिंद सिंह प्राकृतिक विधी एकुपंचर द्वारा अनेक लोगों के उपचार करेंगे । ओम एकुप्रेसर क्लिनिक हैदरगुड्डा हैदराबाद के डॉ ओमप्रकाश अग्रवाल मरीजों का एकुप्रेसर विधी से ईलाज करेंगे। साईं होम्यो क्लिनिक, चिराग अली लेन, हैदराबाद के डॉ आई राजलक्ष्मी द्वारा रोगीयों को होम्योपैथी चिकित्सा द्वारा सेवा प्रदान की जायेगी।

इस शिविर में हेमोग्लोबिन परिक्षण भारत विकास परिषद द्वारा किया जाएगा।इस शिविर में निशुल्क दवाइयां भवानी ग्रुप, इंदर बाग, कोठी हैदराबाद के अभिमन्यु और पुष्पक अग्रवाल के नेतृत्व में पूरी टीम के द्वारा वितरित किया जाएगा। अग्रवाल मानव सेवा मंच और गुरूद्वारा अकालसर साहिब प्रबंधक कमेटी और अग्रवाल समाज वनस्थलीपुरम हैदराबाद स्थानीय वासीयों से निवेदन करते हैं कि अधिक से अधिक लोग उपस्थित होकर इस स्वास्थ्य जांच शिविर में उपलब्ध निशुल्क सेवाओं का लाभ उठायें।

एम.ई.सी समूह परीक्षा में प्रार्थना राठी ने प्राप्त किया राज्य में प्रथम स्थान

मंचेरियाल (एजन्सी),

गोदावरीखन्नी के राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष एवं माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य गिरधारी लाल -पुष्पा देवी राठी की सुपौत्री , निलेश,आराधना राठी की सुपुत्री प्रार्थना राठी ने एम.ई.सी समूह परीक्षा में तेलंगाना राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रार्थना राठी ने 99.2%(500 में 496) नंबर लाकर तेलंगाना राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया. इच्छित लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल हासिल की। इस अवसर पर राजस्थानी प्रगति समाज के सदस्यों ने गुरुवार को राजस्थानी भवन में सम्मान का आयोजित किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में रामगुंडम निर्वाचन क्षेत्र विधायक मक्खन सिंग राज ठाकुर ने उपस्थित होकर प्रार्थना राठी एवं परिवार के सदस्यों को सम्मान कियाऔर शुभकामनाएं दी।

अवसर पर पर माहेश्वरी ,राजस्थानी , अग्रवाल समाज सदस्य एवं महिला मंडल,मारवाड़ी युवा मंच के सदस्य ने प्रार्थना राठी को उज्वल भविष्य की य मंगल कामनाएं दी गई।

मिधानि में सामरिक सामग्रियों के स्वदेशीकरण पर ग्राहक सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद (एजन्सी),

भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के तहत एक प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने हैदराबाद में ग्राहक सम्मेलन 2025 आयोजित किया। सम्मेलन का विषय था "रणनीतिक सामग्रियों के स्वदेशीकरण: डिजाइन, सामग्री, उत्पाद, गुणवत्ता - सहित लचीलापन। इस कार्यक्रम के माध्यम से भारत के रक्षा, एयरोस्पेस और सामरिक क्षेत्रों के प्रमुख हितधारकों को नए अवसरों पर विचार-विमर्श करने, ग्राहक जुड़ाव को मजबूत करने और महत्वपूर्ण सामग्रियों में आत्मनिर्भरता के लिए सहयोगी प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच उपलब्ध कराया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री यू. राजा बाबू, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और महानिदेशक (मिसाइल और सामरिक प्रणाली), डीआरडीओ रहे। कमोडोर (सेवानिवृत्त) ए माधवराव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीडीएल; ईसीआईएल के सीएमडी श्री अनुराग कुमार और ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ डॉ. जे आर जोशी इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

मिधानि के सीएमडी डॉ. एसवीएस नारायण मूर्ति ने उद्घाटन भाषण दिया और स्वदेशीकरण की दिशा में मिधानि की उपलब्धियों और रणनीतिक पहलों पर प्रकाश डाला। इसके बाद सभी मुख्य अतिथियों ने सभा को संबोधित किया और भारत के रक्षा व अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए विशेष सामग्रियों के विकास तथा आपूर्ति में मिधानि की अग्रणी भूमिका की सराहना की। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण मुख्य अतिथि द्वारा मिधानि की तकनीकी कैटलॉग का विमोचन रहा, जिसमें संगठन की तकनीकी क्षमताओं और भविष्य के रोडमैप को दर्शाया गया। तकनीकी सत्र में मिधानि, एचएएल, वीएसएससी और बीएआरसी के विषय विशेषज्ञों द्वारा स्वदेशी उन्नति और सहयोगी केस स्टडीज को प्रदर्शित करते हुए व्यावहारिक प्रस्तुतियां दी गईं।

प्रो. बी.एस. मूर्ति, निदेशक, आईआईटी हैदराबाद (मॉडरेटर), डॉ. के. बालासुब्रमण्यम, निदेशक, एनएफटीडीसी, डॉ. जे.आर. जोशी, सीईओ, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, पी.वी. राजा राम, निदेशक (उत्पादन), बीडीएल, डॉ. गोविंद, उप निदेशक, वीएसएससी, वी.एन. अनिल कुमार, जीएम, एचएएल (एफएंडएफ), डॉ. के. गोपीनाथ, एसोसिएट निदेशक, डीएमआरएल के पैनल ने स्वदेशी विकास को बढ़ावा देने और रणनीतिक सामग्रियों तथा घटकों में आयात निर्भरता को कम करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया। उद्घाटन सत्र की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद मिधानि के निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) टी. मुत्तुकुमार ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का समापन महत्वपूर्ण उद्देश्य की प्राप्ति की संकल्पना के साथ हुआ जिससे सामग्री इंजीनियरिंग में सहयोगात्मक नवाचार और उत्कृष्टता के माध्यम से "आत्मनिर्भर भारत" के प्रति मिधानि की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

धर्मगुरू दीवान माधवसिंह का मिला आशिर्वाद: चौहान

बेंगलूरू (एजन्सी),

कोतनूर में धर्मगुरू दीवान माधवसिंह के आगमन पर राजस्थानी प्रवासियों ने धर्मगुरू का सम्मान किया गया। सभा को संबोधित करते हुए सॉफ्टवेर कंपनी ईसीपीएल के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रकाश चौहान ने कहा की धर्मगुरू दीवान साहब का आशिर्वाद प्राप्त हुआ। ये माताजी का चमत्कार से कम नही है। चौहान परिहार की ओर से धर्मगुरू का माला शाल साफा पहनाकर स्वागत व बधावा किया गया। धर्मगुरू

दीवान माधवसिंह ने कहा कि आज के समय में युवाओं को समाज सेवा के कार्यो में जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के कार्यों में बच्चों व नई पीढ़ी को शामिल किया जाना चाहिए। इससे उनमें सेवा की भावना पैदा होगी। वे आगे आएंगे उन्हे अधिक से अधिक सामाजिक आयोजनों में भागीदार बनाना चाहिए। दीवान ने राजस्थानी समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि इस समुदाय ने पैसा कमाने के साथ साथ समाज सेवा के भी महान काम किए है। इस अवसर पर माली सेनी समाज वर्तूर के उपाध्यक्ष ओगाड़राम चौहान, सीरवी महासभा कर्नाटक के सचिव अमरचन्द सानपुरा ,सीरवी सेवा संघ लिंगराजपुरम के पूर्व अध्यक्ष तुलसाराम राठौड़, सीरवी सेवा संघ लिंगराजपुरम के अध्यक्ष जोगाराम परिहार, सीरवी सेवा संघ लिनराजपुरम के युवा मंडल के अध्यक्ष बाबूलाल भायल, भजन गायक कैलाश पंवार, एवं भवानी शंकर पारीक, मांगीलाल सहित राजस्थानी समाज के अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

हैदराबाद (एजन्सी),रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेनियल द्वारा मजीदपुर स्थित ज़िला परिषद हाई स्कूल मैं लड़कियों के लिए शौचालय ब्लॉक का उपहार दिया गया.इसका उद्घाटन डिस्ट्रिक्ट गवर्नर श्री शरद चौधरी ने असिस्टेंट गवर्नर गोविंद अग्रवाल और मुख्याध्यापक विजय भास्कर रेड्डी की उपस्थिति में किया। मंचीय कार्यक्रम में प्रिंसिपल विजय भास्कर रेड्डी ने सभी का आभार व्यक्त किया और स्कूल के बच्चों के लिए खेल सामग्री और उपकरणों के लिए भी आशा जतायी. तुरंत ही रोटरी क्लब ऑफ़ हैदराबाद सेंटिनियल ने इसे भेंट करने का आश्वासन दिया.अवसर पर पंकज कुमार संघी,आशीष अवस्थी,चेतन,रामराज,अनिल डनडू,अनिल कौत्ता, महावीर जैन,सुरेश,दीपक,मधू आदि उपस्थित थे।

कलबुरगी जिला न्यायालय में "योग धनुष" कार्यक्रम

कलबुरगी (एजन्सी),

11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के तहत शुक्रवार को कलबुरगी जिला न्यायालय में "योग धनुष" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कलबुरगी जिला प्रशासन, जिला पंचायत और जिला आयुष विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में होम्योपैथी एवं आयुर्वेद संयुक्त अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय कुलकर्णी ने "योग धनुष" कार्यक्रम और वाई-ब्रेक योग ऐप के उद्देश्य के बारे में बताया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक सुदीपा ने वाई-ब्रेक योग ऐप प्रोटोकॉल के

अनुसार योगाभ्यास कराया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव श्रीनिवास नवले और जिला न्यायालय प्रशासक सुनील कुमार चांदे ने संबोधित करते हुए कहा कि कर्मचारियों को वाई-ब्रेक ऐप का उपयोग करके प्रतिदिन योग करना चाहिए। कार्यक्रम में आयुष विभाग के कर्मचारी शरणकुमार, कल्लप्पा और अन्य मौजूद थे।

पीएम मोदी ने ट्रंप का न्योता क्यों ठुकराया ? ओडिशा के जनता मैदान में सब कुछ बताया

भुवनेश्वर (एजन्सी),

: पिछले हफ्ते कनाडा में G7 शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वाशिंगटन आने का न्योता दिया था। पीएम मोदी ने यह न्योता इसलिए ठुकरा दिया क्योंकि उन्हें ओडिशा जाना था। यह बात पीएम नरेंद्र मोदी ने ओडिशा में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के दौरान कही। पीएम मोदी ने जनता मैदान में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उनके लिए 'महा प्रभु

की धरती' पर होना जरूरी था। इसलिए उन्होंने अमेरिका जाने के बजाय ओडिशा आना पसंद किया। दरअसल पीएम मोदी इस सप्ताह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मिलने वाले थे। लेकिन पश्चिम एशिया में इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण ट्रम्प को वाशिंगटन वापस जाना पड़ा। इसलिए यह मुलाकात नहीं हो सकी।

पीएम मोदी ने ओडिशा को दिया तोहफा पीएम मोदी ने ओडिशा में 18,600 करोड़ रुपये की 105 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान बीजेपी सरकार के एक साल पूरे होने का जश्न भी मनाया गया। पीएम मोदी ने कहा कि ओडिशा सिर्फ एक राज्य नहीं है। बल्कि भारत की विरासत का चमकता सितारा है। सालों से ओडिशा ने भारत की संस्कृति और विरासत को समृद्ध किया है। उन्होंने कहा कि विकास और विरासत के मंत्र के साथ ओडिशा की भूमिका और भी बढ़ गई है।

पीएम मोदी का ओडिशा में भव्य स्वागत

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओडिशा पहुंचे। वहां उन्होंने बीजेपी सरकार के पहला साल पूरा होने पर एक बड़े कार्यक्रम में भाग लिया। भुवनेश्वर में उनका जोरदार स्वागत हुआ। उन्होंने 'लखपति दीदी' योजना के लाभार्थियों से बातचीत की और लगभग 25 स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया। PM मोदी ने 'ओडिशा विजन डॉक्यूमेंट' भी जारी किया। इसका लक्ष्य 2036 तक 'समृद्ध ओडिशा' बनाना है। पिछले 12 महीनों में PM मोदी का ओडिशा का यह छठा दौरा था।

ओडिशा सरकार को दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज 20 जून का दिन बहुत विशेष है। आज ओडिशा में पहली भाजपा सरकार ने सफलतापूर्वक एक वर्ष पूरा किया है। यह वर्षगांठ सिर्फ सरकार की नहीं है। यह सुशासन की स्थापना की वर्षगांठ है। यह एक वर्ष जनसेवा और जनविश्वास को समर्पित है। मैं ओडिशा के लोगों को हृदय से बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मैं मुख्यमंत्री मोहन माझी और उनकी पूरी टीम को भी बधाई देता हूं।

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net